राफेल से टक्कर लेने वाला चीनी ... पेज 5

दैनिक

कारखाने का सफर

आजकल आदमी की दिनचर्या कारखाने की तरह दिन-रात चल रही है, इस दिनचर्या पर ही इस अखबार का नाम रखा गया है

धन प्राप्ति के लिए हल्दी के उपाय ... पेज 7

वर्ष 6, अंक 108 | भोपाल, गुरुवार 30 अक्टूबर, 2025 | कार्तिक शुक्ल पक्ष, नवमीं, 2082 | मूल्य 2 रुपए

(श्रृंखला -4)

भेल उपभोक्ता सहकारी भंडार का इतिहास देखें तो समन्वय का माहौल यहां पक्ष और विपक्ष में कभी नहीं रहा। क्योंकि यहां की राजनीति इतनी खराब रही है कि ईमानदारी से काम करने वाला पहले बदनाम होता है। पिछले तीन दशक में से डेढ़ दशक ही ऐसा रहा है कि जब संस्था को भरपूर सहयोग प्रबंधन ने दिया और संचालकों ने ईमानदारी से काम किया। इस दौर को भी बदनामी काफी मिली। यहां मनमुटाव और बदनाम करने वाली राजनीति का सबसे कारण है कि वर्तमान और रिटायर्ड कर्मचारी दोनों ही संचालक मंडल में आते हैं। ढूंढ- ढूंढकर बाल की खाल नोची जाती है, लेकिन भेल उपभोक्ता सहकारी भंडार की वर्तमान स्थिति काले अध्याय के समान है। वर्तमान में कुछ कार्य ऐसे हुए, जिनके बारे में परिणाम जाने बिना ही शुरू कर दिए गए। भेल कर्मचारी कहते है कि हम मानते हैं कि आप ईमानदार हैं, लेकिन हकीकत में कुछ दिखाई तो दे। बाहर तो ईमानदारी के नाम पर सिर्फ ताले लटक रहे हैं। किसने किसको बदनाम किया, इसको कोई नहीं देख रहा, लेकिन ढाई साल से गरीब को वेतन नहीं दिया, यह सबको दिखाई दे रहा है। नौकरी से यह कह कर बाहर भेज दिया कि हम वेतन नहीं दे पा रहे आप दूसरी जगह काम देख लो। उन बच्चों के दिल का दर्द समझो जो पापा के घर की दहलीज से बाहर निकलते ही उनसे टाटा की जगह शाम को आटा लाने की बात करते हैं। कई वर्ष से नौकरी कर रहे कर्मचारी या लेबर को नौकरी कौन देगा। यही कर्मचारी शाम को इस संकोच से घर का दरवाजा नहीं खटखटाता कि दरवाजा खोलने पत्नि आई तो पहले पूछेगी कि आटा लाए क्या, बच्चे भूखे सो गए। बच्चे अगर दरवाजा खोलेंगे तो बोलेंगे कि पापा आटा लाए क्या, बहुत तेज भूख लगी है। क्या जवाब देता होगा बेचारा गरीब। कारखाने में एसी में काम करने वाले, वेतन के रूप में लाखों रुपए पाने वाले इस कर्मचारी का दर्द क्या जानें। भंडार में खूब लूटमार करो और एक दूसरे को गिराते रहो, लेकिन यह तो सोचो कि तुम जिस संस्थान में ताले लटका रहे हो, उस संस्थान से कितने परिवार जुड़े हैं। इसका हिसाब होगा और भेल कर्मचारी स्वयं पूछेंगे कि भेल उपभोक्ता सहकारी भंडार के उन परिवारों के चूल्हे किसने बंद किए। इस सवाल को पूछने के लिए भेल कर्मचारियों के पास मान्यता प्राप्त यूनियन चुनाव, शिफ्ट सोसायटी के चुनाव और अगर हुए तो भेल उपभोक्ता सहकारी भंडार संचालक मंडल चुनाव रूपी मंच हैं। कॉन-कौन दोषी है, कर्मचारी पता लगाकर मतदान के रूप में दंड अवश्य देंगे।

भेल उपभोक्ता सहकारी भंडार की लाउंड्री की वाशिंग मशीनें सामाजिक तत्वों ने गायब कीं और भवन के दरवाजे खिड़की असमाजिक तत्व ले गए

- भंडार की यह लाउंड्री कस्तूरबा अस्पताल और उसकी संबंधित डिस्पेंसरियों की चादर व संबंधित सभी कपडें धोने का काम करती थी
- जानकार कर्मचारी के अनुसार लाउंड्री में 10 से ज्यादा बड़ी मशीनें व इसके साथ ही अन्य उपकरण भी मोजूद थे
- इस लाउंड्री को 10 साल पहले रिनोवेट किया गया था, उसके बाद आए किसके कार्यकाल में लूटने का काम हुआ, किसी को नहीं मालूम, मालूम तो सब है, बताना कोई नहीं चाह रहा
- भेल उपभोक्ता सहकारी भंडार का इतिहास रहा है कि किसी संचालक मंडल को चैन से काम नहीं करने दिया
- कौन कितना ईमानदर संचालक मंडल रहा, यह तो भेल कर्मचारी या उसके सदस्य ही बता सकते हैं
- इस समय तो व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है, इसके लिए कौन दोषी हो सकता है, जो काम कर रहे हैं या जो काम नहीं करने दे रहे हैं
- भंडार की इस हालत के कारण सोर्स ऑफ इनकम पूरी तरह से बंद है, इसलिए चुनाव होने की संभावना भी नहीं है

दैनिक कारखाने क सफर । भोपाल

भेल उपभोक्ता सहकारी भंडार की परतें खुलना अब शुरू हुई हैं। धीरे-धीरें अभी और काले कारनामें उजागर होंगे और यह जरूरी नहीं कि किसका ठीकरा किस के ऊपर फूटे, लेकिन यह तय है कि हाट लुट चुकी है और लूटने वाले अपने लोग ही हैं। पिछले दिनों दैनिक कारखाने का सफर अखबार ने दमदारी से लिखा था कि लूटने वाले अपने ही हैं, जिन्हों कुछ नहीं छोड़ा, लंगोट तक ले भागे। अब एक और जानकारी मिली है कि भेल उपभोक्ता सहकारी भंडार की एक लाउंड्री कस्तूरबा अस्पताल के पास थी, जिसमें कई वाशिंग मशीन और फर्नीचर भी भेल के द्वारा दिए गए भवन में था। अब बिना खिड़की दरवाजे के भवन तो खड़ा है, लेकिन जब खिड़की दरवाजे तक गायब हो गए तो सामान कैसे बचता। भवन भी किसी के द्वारा बताए जाने पर पता चला,

भेल उपभोक्ता सहकारी भंडार का खंडहर भवन

वर्ना उसकी स्थिति ऐंसी नहीं रही कि अंदाजा भी लगाया जा सके कि यहां कभी एक दिन में सैकडों बड़े-बड़े कपडे धोने वाली एक नाउंड्री थी। एक रिटायर्ड कर्मचारी बताते हैं कि लाउंड्री और कस्तूरबा अस्पताल दोनों में ही चहल पहल काफी थी, अब न तो अस्पताल में चहल पहल रही और लाउंड्री अपने संस्थान की तरह से गायब हो गई। इसमें दोष किसी का नहीं। क्योंकि जब सब लुट रहा था तो बेचारी लाउंड्री क्या करती।

लाउंड्री तो एक छोटा सा उदाहरण है, लेकिन काफी हाउस और अन्य व्यवस्थाएं अचानक चौपट नहीं हो सकतीं। इसका प्री प्लान कोई बनाया गया होगा। इसकी पड़ताल होनी चाहिए कि असली मास्टर माइंड कौन है। इस संबंध में जानकारी यहां तक मिली है कि अलग-अलग विचार धाराओं वाले संचालकों ने ध्यान नहीं दिया और एक दूसरे को काम सौंपने के बाद कौन क्या कर रहा है के बारे में जानकारी नहीं ली गई। यही कारण है कि एक दूसरे पर आरोप लगाने वाले स्वयं भी आरोपों से घिरे हैं। जल्दी ही सभी की हकीकत सामने आएगी।

(दैनिक कारखाने का सफर अखबार में भेल उपभोक्ता सहकारी भंडार के बारे में शुरू की गई श्रृंखला 5 में शुक्रवार को पढ़िए वर्चस्प की राजनीति)

अखिल विश्व गायत्री परिवार के प्रांत स्तरीय युवा चिंतन शिविर का शताब्दी वर्ष के संकल्पों के साथ भव्य समापन

दैनिक कारखाने क सफर । भोपाल

केरवा डैम मार्ग पर स्थित शारदा विहार आवासीय विद्यालय में दिनांक 27 से 29 अक्टूबर तक चल रहे अखिल विश्व गायत्री परिवार के प्रांतीय युवा चिंतन शिविर का आज भव्य आयोजन के साथ समापन हुआ। इस तीन दिवसीय चिंतन शिविर में पूरे प्रदेश के सभी जिलों के चयनित 3000 से अधिक युवाओं ने एवं संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

इस शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं को समाज के प्रति अपने दायित्व का बोध कराकर विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के लिए तैयार करना था। इस चिंतन शिविर में प्रथम दिवस विशिष्ट अतिथि के रूप में आदरणीय श्री दुर्गादास उइके (केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार) एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उपस्थिति रही। अपने आशीर्वचन में डॉक्टर मोहन यादव ने कहा कि गायत्री परिवार का स्थान शरीर में हृदय के समान है जो रक्त को शुद्ध करके पूरे शरीर को पहुंचाता है। इसी प्रकार गायत्री परिवार भी समाज में व्याप्त कुरीतियों को हटाकर समाज में श्रेष्ठ व्यक्तियों का निर्माण कर रहा है। उसे दिन के सत्र में प्रातः काल विशिष्ट अतिथियों के साथ प्रमुख अतिथि एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ चिन्मय पंड्या जी भी उपस्थित रहे। सायं काल को संपन्न हुए विशाल राष्ट्र जागरण दीप महायज्ञ में अपने संदेश में डॉक्टर चिन्मय पंड्या जी ने कहा- निमित्त मात्र भव, अर्थात ईश्वर के इस महान कार्यक्रम युग निर्माण योजना एवं राष्ट्र निर्माण के इस अभियान में आप स्वयं निमित्त बनिये एवं जिस प्रकार से भगवान कृष्ण ने अर्जुन को सारा श्रेय प्रदान किया था उसे प्रकार से हम भी युग निर्माण के इस अभियान में अपना योगदान सतत देते चलें। सायंकाल के दीप यज्ञ कार्यक्रम में नियमित कार्यकर्ताओं के अलावा नगर एवं आसपास के अनेक गणमान्य नागरिक, प्रेस एवं मीडिया के सम्मानित प्रतिनिधि गण उपस्थित रहे जिन्होंने इस कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की।

शिविर के दूसरे दिन सभी जिलों के प्रतिभागियों ने साथ बैठकर चिंतन मनन के द्वारा आगामी वर्ष 2026 से 2030 तक की कार्य योजना का निर्धारण किया जिसकी प्रस्तुतियां सार्वजनिक रूप से मंच से की गई।

आगामी सत्रों में शांतिकुंज प्रतिनिधि श्री केदार प्रसाद दुबे जी ने कार्यकर्ता के रूप में हमारे कर्तव्य एवं दायित्व इस विषय पर मार्गदर्शन दिया एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर गोपाल कृष्ण शर्मा ने ए आई से संबंधित वर्तमान चुनौतियां एवं संभावनाओं पर प्रकाश डाला। संगठन के महत्व को रेखांकित करते हुए मध्यप्रदेश प्रभारी शांतिकुंज श्री जगदीश कुलमी जी ने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के तीसरे दिन प्रातः काल विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि मंत्री एवं मध्य प्रदेश की माटी के सपूत आदरणीय श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने गायत्री परिवार के साथ अपनी संबद्धता को व्यक्त किया साथ ही उन्होंने कहा की राष्ट्र को श्रेष्ठ बनने के लिए व्यक्तियों का श्रेष्ठ होना आवश्यक है और व्यक्तित्व परिष्कार का यही लक्ष्य, यही सूत्र लेकर गायत्री परिवार विगत लगभग 70 वर्षों से यह काम कर रहा है। मध्य प्रदेश एवं भारत में उनके योगदान की मैं सराहना करता हूं। मुझे भी पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य का गुरु के रूप में आशीर्वाद प्राप्त होता रहा है जिसकी अनुभूतियां मुझे समय-समय पर होती हैं। हम समाज की सेवा करें इससे हमारा भी विकास होगा।

समापन दिवस के विशिष्ट अतिथि आदरणीय श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने कार्यक्रम की स्मृति के रूप में शारदा विहार आवासीय विद्यालय के परिसर में सीता अशोक के वृक्ष का रोपण किया। सभा में आद. श्री जितेन्द्र जी गुप्ता, (अ.भ. संयोजक- स्वावलंबी भारत मिशन)और आद. श्री सुधीर जी दाते (सचिव, शारदा विहार व क्षेत्रीय संयोजक, स्वदेशी जागरण मंच) ने भी ओजस्वी उद्गारों से युवाओं को प्रेरणा दी।

गायत्री परिवार के केंद्र शांतिकुंज से पधारे व्यवस्थापक महोदय आदरणीय श्री योगेंद्र गिरी जी ने आगामी वर्ष 2026 में वंदनीय माताजी की जन्म शताब्दी एवं अखंड दीप के प्राकट्य के शताब्दी वर्ष पर हमें क्या करना चाहिए, शांतिकुंज से क्या अपेक्षा व्यक्त की गई है इस पर विस्तार से प्रकाश डाला इसके इसके साथ ही कार्यक्रम में पधारे हुए सभी युवा प्रतिभागियों को पाथेय के रूप में अपना संदेश देते हुए युवा प्रकोष्ठ शांतिकुंज के केंद्रीय समन्वयक आदरणीय केदार प्रसाद दुबे जी ने कहा कि प्रत्येक युवा को एक श्रेष्ठ कार्यकर्ता बनना है क्योंकि किसी भी संस्था का परिचय उसके कार्यकर्ताओं से होता है। अतः हमारे जीवन में राष्ट्र प्रेम, अनुशासन एवं नैतिक गुणों का समावेश अनिवार्य रूप से होना चाहिए। हम यहां से जाएं तो जिन संकल्पों को हमने व्यक्त किया है उन संकल्पों को पूर्ण करने के लिए प्राणपण से जुट जाना पड़ेगा।

ऐसी प्रेरणा ग्रहण कर सबने अपने अपने लक्ष्य निर्धारित किये जिसमें प्रमुख - 53309 आदर्श विवाह संकल्प, नशा मुक्ति हेतु 1.92 लाख लोगों से संपर्क करना, 1.09 लाख वृक्ष लगाना, 115 गाँवों को आदेश बनाना,जल शुध्दि हेतु 816 कार्यक्रम करना आदि का उल्लेख किया जा सकता है।

कार्यक्रम में युवा प्रकोष्ठ मध्य प्रदेश के सह समन्वयक श्री अमर धाकड़ जी ने लिए संकल्पों व्यक्त पूर्ण करने का आवाहन किया। स्थानीय गायत्री परिवार के मीडिया संयोजक रमेश नागर ने प्रेस को बताया कि अगले वर्षों में भी प्रदेश में ऐसे ही युवा चिंतन शिविरों का आयोजन किया जाएगा जिसमें इस शिविर में लिए संकल्पों का अनुयाज, समीक्षा होगी एवं आगामी शताब्दी वर्षों के लिए नई कार्य योजना पर कार्य सक्रियता से किया जाएगा।

अंतिम दिन के समापन सभा में मंच पर शांतिकुंज के केंद्रीय समन्वयक मध्य जोन श्री जगदीश कुलमी मध्य प्रदेश के समन्वयक श्री राजेश पटेल शांतिकुंज के व्यवस्थापक श्री योगेंद्र गिरी युवा प्रकोष्ठ मध्य प्रदेश के समन्वयक श्री विवेक चौधरी शांतिकुंज प्रतिनिधि श्री आशीष सिंह सह समन्वयक ,श्री सुधीर दाते जी सचिव शारदा विहार, स्वदेशी मंच क्षेत्रीय संयोजक, जितेंद्र गुप्ता जी अ. भा. संयोजक स्वावलंबी भारत, श्री कुशमारिया जी, दीप चंद मालवीय जी,श्री अमर धाकड़ एवं 11 ऊपजोन प्रभारी,55 युवा जिला संयोजक एवं संगठन पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम शारदा विहार में पूर्ण रूप से कार्यक्रम को पर्यावरण प्रेमी संसाधनों के उपयोग से स्वच्छता एवं इक्कफ्रेंडली का संदेश दिया। कार्यक्रम में शारदा विहार व्यवस्था तंत्र का पूर्ण रूप से सहयोग रहा जिसके कारण सफल ,व्यवस्थित शिविर संपन्न हुआ। गायत्री परिवार ने शारदा विहार विद्यालय के व्यवस्था तंत्र को हृदय से धन्यवाद दिया

कार्यक्रम को सफल बनाने में शांतिकुंज की संगीत, इएमडी टीम, मीडिया के बंधुओ , सभी जिलों के प्राणवान कार्यकर्ताओं एवं शारदा विहार आवासीय विद्यालय के व्यवस्थापक श्री राजेश तिवारी का विशेष सहयोग रहा।

बिहार में दिग्गजों का जमावड़ा, मोदी, राहुल, शाह, नड्डा आज करेंगे चुनावी शंखनाद

दैनिक कारखाने क सफर । एजेंसी नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा बृहस्पतिवार को बिहार में कई जनसभाएं करेंगे। मोदी मुजफ्फरपुर और सारण जिलों में दो जनसभाओं को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री ने 24 अक्टूबर को समस्तीपुर और बेगूसराय में रैलियों को संबोधित करके बिहार विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रचार अभियान की शुरुआत की। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''बिहार के मेरे परिवारजन भाजपा-राजग को प्रचंड जीत दिलाने के लिए खुद चुनाव मैदान में हैं।

उत्साह के इस माहौल में पूर्वाह्न करीब 11 बजे मुजफ्फरपुर में और दोपहर बाद 12:45 बजे छपरा में जनता-जनार्दन से संवाद का सौभाग्य मिलेगा।'' मोदी ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि विधानसभा चुनाव में एक बार फिर राज्य के मेरे भाई-बहन महाविजय का शंखनाद करेंगे।'' बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार जोर-शोर से किया जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन राज्य के विभिन्न हिस्सों में क्रमशः राजग और 'इंडिया' गठबंधन के अपने उम्मीदवारों के पक्ष में कई सार्वजनिक रैलियों को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी नालंदा और शेखपुरा जिलों में रैलियों को संबोधित करेंगे, जबकि शाह की लखीसराय, मुंगेर, नालंदा और पटना में चार चुनावी सभाएं प्रस्तावित हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा भी बक्सर और पटना जिलों में रैलियों को संबोधित करने वाले हैं।

महाराष्ट्रः डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर आधार कार्ड बनाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई

दैनिक कारखाने क सफर । एजेंसी मुंबई

मुंबई पुलिस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर कथित रूप से फर्जी आधार कार्ड बनाने और फर्जी मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए उसका उपयोग करने के मामले में अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने 16 अक्टूबर को संवाददाता सम्मेलन में दिखाया था कि किस तरह एक वेबसाइट पर फर्जी आधार कार्ड तैयार किए जा रहे थे और उनका उपयोग फर्जी मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए किया जा रहा था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सोशल मीडिया प्रकोष्ठ के सह-संयोजक धनंजय वागस्कर ने यह सामग्री एक यूट्यूब चैनल पर देखी, जिसमें उनकी पार्टी के एक पदाधिकारी पर भी आरोप लगाए गए थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया

कि इसे गंभीरता से लेते हुए वागस्कर ने वेबसाइट के अज्ञात निर्माता, मालिक और उपयोगकर्ता तथा अन्य के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज कराई।

प्राथमिकी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने दावा किया कि किसी नेता द्वारा किया गया यह धोखाधड़ी का कार्य भारत में एक स्वायत्त संस्थान और उनकी पार्टी (भाजपा) के खिलाफ जनता में क्रोध और घृणा भड़काकर सामाजिक सुरक्षा को खतरे में डालता है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक फर्जी वेबसाइट के माध्यम से फर्जी आधार कार्ड बनाकर, समाज के दो समूहों के बीच भ्रम पैदा करने और झगड़ा कराने का प्रयास किया गया।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि शिकायत के आधार पर, यहां की साइबर पुलिस ने मंगलवार को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत जालसाजी, पहचान की चोरी, झूठी जानकारी प्रसारित करने और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों के तहत दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। रोहित पवार ने 16 अक्टूबर को आरोप लगाया था कि पिछले वर्ष लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति के लिए प्रतिकूल परिणाम आने के बाद फर्जी मतदाताओं का पंजीकरण, वास्तविक मतदाताओं के नाम सामूहिक रूप से हटाना और दोहरा मतदाता पंजीकरण जैसी अनियमितताएं हुई थीं।

राकांपा (एसपी) नेता ने कहा कि 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों के बीच 32 लाख नए मतदाता जोड़े गए, जो प्रति वर्ष 6.5 लाख मतदाताओं या प्रति माह 54,000 मतदाताओं के जोड़ने के बराबर है।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय

गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबरः 9826035849, 9425006706

100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सप्तशक्ति संगम का हुआ आयोजन

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

सरस्वती विद्या मंदिर सारंगपुर में संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सप्तशक्ति संगम का आयोजन किया गया।विद्या भारती ने अपने इस अभियान के माध्यम से छात्राओं के अतिरिक्त समाज के अन्य महिला वर्ग को भी जाग्रत करने का बीड़ा उठाया है। यह अभियान भारतीय संस्कृति में वर्णित नारी के सात गुणों- कीर्ति, श्री, वाक्, स्मृति, मेधा, धृति व क्षमा पर आधारित है।उद्देश्य यह है कि नारी सशक्तिकरण के प्रति चेतना जगाई जाए, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव हो सके। उनके सात गुणों को जाग्रत किया जाए, ताकि उनमें शिक्षा, संस्कार, नेतृत्व जैसे सभी आवश्यक तत्वों का विकास हो सके। वह भी समाज एवं राष्ट्र के लिए अपने योगदान को और सशक्त बना सकें। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कथावाचक सुश्री कविता राजगुरु, मुख्य अतिथि के रूप में कॉलेज प्राचार्य ममता खोइया, विशेष अतिथि रजनी व्यास थीं। कार्यक्रम के अध्यक्षता रेणु वंशकार ने की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता कविता राजगुरु द्वारा कुटुंब प्रबोधन के बारे में बताया गया और उन्होंने वर्तमान समय में परिवार में महिलाओं की भूमिका के बारे में बताया। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नारी शक्ति के विभिन्न स्वरूपों को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में छाया जोशी,शोभा सोलंकी,पूजा तिवारी,पिंकी चौहान,वंदना गौड,भावना लववंशी,पूजा गहलोत, अंजना दुबे आदि बड़ी संख्या में मातृ शक्ति उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन मोनिका शर्मा तथा आभार छाया शर्मा ने माना।

15 को जबलपुर में होगा बिरसा मुंडा उत्सव, पीएम मोदी वर्चुअल संबोधित करेंगे

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर जबलपुर में बिरसा मुंडा उत्सव आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल संबोधित कर सकते हैं। देशभर में इस कार्यक्रम का प्रसारण होगा। एक हफ्ते तक लगातार जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम होंगे। एमपी बीजेपी के संगठन और सरकार की ओर से अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें जनजातीय प्रतीकों, स्थानीय जनजाति समाज के व्यक्तियों की सक्सेस स्टोरी और बीजेपी के विकास कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। 7 नवंबर को सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म की प्रोफाइल फोटो बदली जाएंगी। सीएम और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष से लेकर तमाम नेता सोशल मीडिया प्रोफाइल फोटो बदलेंगे। जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष 10 नवंबर को भोपाल आएंगे। संतोष बीजेपी के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा तय किए गए कार्यक्रमों को लेकर समीक्षा बैठक करेंगे। 11 नवंबर से 15 नवंबर तक एमपी के जनजातीय बहुल जिलों में बिरसा मुंडा गौरव यात्राएं निकाली जाएंगी। इन यात्राओं में जनजातीय कला समूह, झांकियां, प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। जिला स्तर पर सम्मेलन आयोजित होंगे। जिनमें विधायक, सांसद, विशेषकर जनजातीय समुदाय के जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। 7 नवंबर से 15 नवंबर के बीच सड़कों, चौराहों, पार्क और सरकारी भवनों को चिह्नित कर उनका नाम भगवान बिरसा मुंडा और दूसरे जनजातीय विशिष्ट व्यक्तियों के नाम पर किया जाएगा। आदिवासी नेताओं की बड़ी प्रतिमाएं स्थापित करने के लिए सार्वजनिक स्थानों को चिह्नित किया जाएगा। भगवान बिरसा मुंडा के जीवन इतिहास और उपलब्धियों पर आधारित स्मारक भी बनाए जाएंगे। प्रदेश के विश्व विद्यालयों में नए जनजातीय पीठ शुरू की जाएंगी। आदिवासी बहुल प्रदेश पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। इन पीठों के माध्यम से आदिवासी समुदाय से जुड़े विषयों पर हायर स्टडी (उच्च स्तरीय शोध) का अवसर मुहैया कराया जाएगा। जनजातीय समुदायों के कल्याण के लिए नई योजनाओं की शुरुआत की जाएगी। जिससे उनके सामाजिक आर्थिक और शैक्षणिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

सीएम डॉ मोहन यादव ने जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों को लेकर समीक्षा की। 10 नवंबर को प्रदेश स्तर पर भोपाल में और 11 नवंबर को सभी जिलों में प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। जनजातीय स्वाभिमान सम्मेलनः आदिवासी बहुल जिलों में जनजातीय स्वाभिमान सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें स्थानीय आदिवासी नेता और युवा कार्यकर्ता भाग लेंगे। पिछले 11 सालों में पद्म पुरस्कार से सम्मानित और मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी द्वारा उल्लेखित जनजातीय समाज के लिए काम करने वाले लोगों का सम्मान किया जाएगा। कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज में जनजातीय थीम पर टाउन हॉल के आयोजन होंगे। इन टाउन हॉल में मुख्य रूप से चार विषयों पर चर्चा होगी। लेखः मुख्यमंत्री और प्रमुख नेताओं द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की विरासत और जनजातीय सशक्तिकरण के लिए बिरसा मुंडा के योगदान पर लेख शेयर किया जाएगा। पॉडकास्टः पॉड कास्ट में जनजातीय नेताओं और बीजेपी द्वारा आदिवासी समाज के लिए किए गए कामों को बताया जाएगा। एमपी सहित देशभर में स्टूडेंट्स के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन क्विज कॉम्पटीशन कराए जाएंगे। ये प्रतियोगिताएं जनजातीय आंदोलनों के इतिहास और आदिवासी नेताओं के योगदान पर आधारित होंगी। पीएम मोदी वर्चुअल संबोधन करेंगे। जनजातीय बहुल जिलों में बिरसा मुंडा गौरव यात्रा 11 से शुरू होंगी और 15 नवंबर तक चलेंगी।

नगर निगम आयुक्तों को बनाएंगे एडिशनल इलेक्शन अफसर, शहरी क्षेत्रों में अधिक आबादी के चलते चुनाव आयोग को भेजा प्रस्ताव

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

प्रदेश में वोटर्स के लिए एसआईआर की प्रक्रिया शुरू कराने के बीच मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल ने सभी 16 नगर निगमों के आयुक्तों के लिए भी जिम्मेदारी तय करने का फैसला किया है। इसके लिए चुनाव आयोग को यह प्रस्ताव भेजा जा रहा है कि नगर निगम आयुक्तों को एडिशनल इलेक्शन ऑफिसर की जिम्मेदारी सौंपी जाए ताकि वे अपने शहरी क्षेत्र में चुनाव संबंधी व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार रहें और खुद एक्शन लेकर कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी को रिपोर्ट देते रहें। सात फरवरी 2026 तक होने वाली एसआईआर को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय सभी जिलों के कलेक्टरों के वोटर लिस्ट संबंधी काम की बारीकी से मॉनिटरिंग करने जा रहा है। कलेक्टरों से कहा गया है कि जिन बड़े नगर निगमों में आईएएस और राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी आयुक्त के रूप में पदस्थ हैं वहां के अफसरों की चुनावी जिम्मेदारी बढ़ाने को लेकर प्रस्ताव विचाराधीन है। आयोग ने संकेत दिए हैं कि ऐसे अफसरों को एडिशनल इलेक्शन ऑफिसर की जिम्मेदारी सौंप दी जाए ताकि उन पर भी चुनावी व्यवस्था दुरुस्त रखने की जवाबदेही बढ़े। अभी यह प्रस्ताव आयोग की ओर से फाइनल नहीं हुआ है पर माना जा रहा है कि जल्दी ही इस पर अंतिम निर्णय हो सकता है और आयोग की अनुमति से प्रदेश के 16 नगर निगमों के आयुक्त एडिशनल इलेक्शन ऑफिसर बन सकेंगे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव झा और उनके सहयोगी संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी आरपीएस

जादौन ने इसके संकेत बुधवार को हुई कलेक्टरों, कमिश्नरों की वीडियो कांफ्रेंसिंग में दिए हैं। उन्होंने कहा है कि मौजूदा स्थिति को देखें तो कांग्रेस ने बिहार में एक ही मकान में 15 या अधिक लोगों के होने तथा शून्य नंबर वाले मकान में लोगों के निवास करने की बात कही है। मंगलवार को एमपी कांग्रेस की ओर से भी इसका सुझाव कांग्रेस के जेपी धनोपिया ने दिया है और कहा है कि शून्य नंबर वाले मकान नहीं होने चाहिए। मकानों की नंबरिंग के आधार पर वोटर लिस्ट तैयार होना चाहिए। कलेक्टरों से कहा गया है कि इसे देखते हुए यह तय किया गया है कि नगर निगम आयुक्तों को इलेक्शन ऑफिसर नॉमिनेट कराया जाए ताकि वे अपनी टीम के साथ ऐसे आवासों को चिन्हित करें जो बन तो गए हैं लेकिन मकान नंबर उनमें नहीं डाला है।

ऐसे आवासों में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य शहरों में बनाए गए पीएम आवास हैं जिनमें अभी आवंटन नहीं होने के कारण मकान नंबर नहीं डाले गए हैं लेकिन लोग वहां रह रहे हैं और ऐसे हालातों में बीएलओ उन मकानों का नंबर जीरो डाल देते हैं। इससे ही विवाद की स्थिति बनती है।

दादाजी धाम मंदिर में गोपाष्टमी पर भक्तों द्वारा भगवान श्री कृष्ण जी की पूजन की गई

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल में गोपाष्टमी के शुभ अवसर पर पंडित जी द्वारा सभी भक्तों को भगवान श्री कृष्ण और राधा जी की पूजन कराई गई पौराणिक मान्यता अनुसार गोपाष्टमी पर भगवान कृष्ण और गायों के पवित्र संबंध के रूप में है, क्योंकि इसी दिन भगवान श्री कृष्ण ने पहली बार गाय चराना शुरू किया था। यह पर्व गायों की सेवा और पूजा के लिए समर्पित है, जिसे मनाने से सुख-समृद्धि, शांति और सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। इस दिन गायों को सजाने, उनकी परिक्रमा करने और उन्हें चारा खिलाने का विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन गायों की पूजा और सेवा करने से सभी संकट दूर होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

आधी रात को एम्स के डॉक्टरों का नशे में हंगामा, पुलिस को धमकाया, डॉक्टर बोला- 10 थानों के अफसरों को जानता हूं, तुम कौन हो

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

AIIMS भोपाल के इमरजेंसी गेट के सामने 4 डॉक्टरों ने नशे में उत्पात मचाया। यहां कार खड़ी कर डॉक्टर शराब पार्टी कर रहे थे। पुलिस पहुंची और पूछताछ की तो एक डॉक्टर ने गाली-गलौज शरू कर दी। डॉक्टर बोला- मैं 2016 से यहां हूं, 10 थानों के अफसरों को जानता हूं, तुम कौन हो? घटना मंगलवार देर रात करीब 2 बजे की बताई जा रही है। पुलिस से बदसलूकी करते हुए डॉक्टर के दो वीडियो भी सामने आए हैं। वीडियो में दिख रहा है कि कार की छत पर बीयर की बोतल रखी है। दो डॉक्टर कार में नशे में धुत पड़े हैं, साथ ही बीयर और स्नैक्स भी बिखरे हुए हैं। एक डॉक्टर पुलिसकर्मी से बहस करता नजर आ रहा है। एम्स भोपाल प्रशासन ने इस घटना को बेहद गंभीरता से लिया है। एम्स प्रबंधन ने आधिकारिक बयान में कहा कि जो व्यवहार दिखाया गया वह संस्थान के मानकों के अनुरूप नहीं है। ऐसे में पुलिस से बदतमीजी करने वाले रेजिडेंट डॉक्टर को बर्खास्त कर दिया गया है।

संस्थान ने आदेश जारी करते हुए डॉ. साहिल को तत्काल प्रभाव से सेवाओं से हटा दिया है। वहीं अन्य रेजिडेंट डॉक्टर जो कि वीडियो में नजर आ रहे हैं उनके खिलाफ अनुशासनात्मक करवाई करने की बात कही है। यह सुनिश्चित करना हमारा नैतिक कर्तव्य है कि हर समय उचित व्यवहार बनाए रखा जाए।

एम्स के सिक्योरिटी सुपरवाइजर एसएन राय के अनुसार, पुलिस ने सभी डॉक्टरों को रात में एम्स के गार्ड के हवाले कर दिया था। यह पूरी घटना गेट के बाहर हुई, इसलिए हमारी सिक्योरिटी इसमें इन्वॉल्व नहीं है। यह सभी सीनियर रेजिडेंट हैं। मामले में बागसेवनिया थाने के टीआई अमित सोनी का कहना है कि एम्स को इस मामले की सूचना दी गई है। इनकी जानकारी मिलने के बाद, आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला एवं बच्चों से संबंधित एनजीओ एवं पुलिस अधिकारियों की समन्वय बैठक आयोजित की गई

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

पुलिस मुख्यालय के सभागार में महिला सुरक्षा शाखा, पुलिस मुख्यालय के विशेष पुलिस महानिदेशक अनिल कुमार के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश में महिला एवं बच्चों से संबंधित क्षेत्र में कार्यरत विविध स्वयं सेवी संगठनों एवं महिला थाना प्रभारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। इसमें महिला थाना प्रभारियों के साथ प्रदेश से 42 एनजीओं के 70 सदस्य शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य आगामी समय में पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर महिला एवं बच्चों के विरूद्ध घटित अपराधों के रोकथाम, विधिक जागरूकता के संबंध में योजनाबद्ध तरीके से समन्वित रूप से संचालित होने वाले कार्यकमों के संबंध में चर्चा की गई जिसमें प्रमुख रूप से आयोजित होने वाले निग्न अभियानः- संबल- महिलाओं के विधिक जागरूकता एवं अधिकार के लिए, सृजन बच्चियों के प्रति अपराधों की रोकथाम एवं जागरुता के लिए, अभिमन्यु- बालकों के लिए विधिक जागरूता एवं अपराधों की रोकथाम, चेतना मानव दुर्व्यापार की रोकथाम, चलाये जाने वाले अभियानों की रूपरेखा के संबंध में विचार विमर्श किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से महिला सुरक्षा शाखा से उप पुलिस महानिरीक्षक, संतोष सिंह गौर एवं श्री विनीत कपूर, उमनि विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, डीजीपी तथा महिला सुरक्षा शाखा से सहायक पुलिस महानिरीक्षक, किरणलता केरकेट्टा, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पु०मु० से अमृतलाल मीणा व महिला सुरक्षा शाखा से सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पिंकी जीवनानी एवं यूनिसेफ से लॉली चेन मुख्य रूप से उपस्थित रहे । बैठक में प्रमुख वक्ता के रूप में श्री विनीत कपूर द्वारा अपने उद्बोधन में सामुदायिक पुलिसिंग व सृजन कार्यक्रम, शक्ति समिति तथा एनजीओ के सहयोग से चलाये जा रहे कार्यकमों एवं उनके सकारात्मक परिणामों के संबंध में चर्चा की गई। विशेष पुलिस महानिदेशक, महिला सुरक्षा द्वारा स्वयंसेवी संगठनों के सदस्यों द्वारा चलाये जा रहे कार्यकमों, रेस्क्यू ऑपरेशन, पॉक्सो एक्ट, जेजे एक्ट, गुड टच बेड टच, लैंगिक समानता, बंधुआ मजदूरी, गुम बालिका, बाल विवाह तथा मानव दुर्व्यापार के साथ-साथ जमीनी स्तर पर पुलिस को आ रही समस्याओं के संबंध में सार्थक चर्चा की गई तथा महिला थाना प्रभारी और समस्त स्वयंसेवी संगठनों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया ताकि आगामी समय में आउटरीच प्रोगाम के तहत महिला सुरक्षा शाखा द्वारा संचालित समस्त अभियान एवं कार्यकमों का समन्वित रूप से पर्यवेक्षण किया जाकर अपराधमुक्त प्रदेश बनाये जाने की दिशा में कार्य किया जा सके।

करियर कॉलेज के ऑडिटोरियम में बिखरे सांस्कृतिक और साहित्यिक रंग

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

विभिन्न राज्यों की संस्कृति देश के विभिन्न राज्यों की सोंधी मिट्टी की खुशबू की महक के साथ ही साहित्यिक गतिविधियों का समागम हुआ कैरियर कॉलेज के ऑडिटोरियम में अवसर था दो दिवसीय युवा उत्सव महोत्सव का जिसमें रंगोली, कोलाज मेकिंग, स्पॉट पेंटिंग ,चित्रकला, एकांकी, वाद विवाद ,भाषण, प्रश्न मंच, लोक गायन एवं लोक नृत्य जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई पंजाब, गुजरात ,महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश आदि राज्यों के लोक नृत्य को युवाओं ने रंग बिरंगी पोशाको में सजकर प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया वही कारंट सब्जेक्ट पर वाद विवाद प्रश्न मंच और भाषण प्रतियोगिताओं में युवाओं ने अपनी तर्क बुद्धि का परिचय दिया तो साथ ही रंग-बिरंगे रंगों से विभिन्न आकृतियां विद्यार्थियों ने रंगोली के रूप में सजाई सभी प्रतिभागियों को प्राचार्य डॉक्टर चरनजीत कौर ने सरहाते हुए कहाकी युवा उत्सव उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन और बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक ऐसा मंच है जहां पर युवा अपनी तर्क बुद्धि और अपनी अंदर छुपी प्रतिभा को मंच पर साकार कर सकते हैं अंत में निर्णायक मंडल द्वारा सभी प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान देकर प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

"कहानी संग्रह अंतर्मन की गूँज का लोकार्पण सम्पन्न"

कहानी लेखन में प्रेम और मर्यादा का बड़ा स्थान होता है –मुकेश वर्मा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोजपुर क्लब, भोपाल में साहित्यकार मधूलिका श्रीवास्तव के कहानी संग्रह "अंतर्मन की गूँज" का लोकार्पण समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात साहित्यकार मुकेश वर्मा, निदेशक वन माली सृजन पीठ ने कहा कि कहानी लेखन में प्रेम और मर्यादा का बड़ा स्थान होता है। उन्होंने संग्रह की कहानी 'नाम क्या है' को केंद्र में रखते हुए कहा कि विवाह के बाद नाम बदलने की बाध्यता से महिलाओं को मुक्त होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महिला लेखिकाओं को एकरूपता में बँधकर नहीं लिखना चाहिए, बल्कि अपनी विशिष्ट शैली और नए विषयों पर प्रयोग करते रहना चाहिए।
कार्यक्रम की अध्यक्षता बृजमोहन श्रीवास्तव (प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राष्ट्रीय महासचिव – राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) ने करते हुए कहा कि "हर पुरुष की प्रगति के पीछे एक नारी का हाथ होता है और नारी की प्रगति में परिवार के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग होता है।" विशिष्ट अतिथि पूर्व अध्यक्ष लेखिका संघ अनीता सक्सेना एवं सारस्वत अतिथि वरिष्ठ कहानीकार डॉ. स्वाति तिवारी ने कहानी के बदलते स्वरूप पर अपने विचार व्यक्त किए। विशेष अतिथि डॉ. कुमकुम गुप्ता ने मधूलिका की कहानियों पर अपने विचार व्यक्त किए एवं समीक्षक साहित्यकार कमल चंद्रा ने अंतर्मन की गूँज पर सारगर्भित समीक्षा प्रस्तुत की। लेखिका मधूलिका श्रीवास्तव ने अपनी चर्चित कहानी 'नाम क्या है' का वाचन किया, जिसे उपस्थित जनों द्वारा विशेष सराहना मिली। कार्यक्रम का कुशल संचालन कीर्ति श्रीवास्तव ने किया तथा डॉ. नीता खरे ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर राजधानी के अनेक वरिष्ठ साहित्यकार एवं अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्य रूप से — मधूलिका की पूर्व शिक्षिका श्रीमती पुष्पा त्यागी ,महेश सक्सेना, चरणजीत सिंह कुकरेजा,साधना शुक्ला, निरुपमा खरे, सुधा दुबे, शेफालिका श्रीवास्तव, मुग्धा श्रीवास्तव, मनमोहन श्रीवास्तव,रानी राय, मृदुल शर्मा, अशोक राय, पूनम श्रीवास्तव, आदित्य मोहन और कबीर शर्मा उपस्थित थे।

आठवें वेतन आयोग की मंजूरी पर प्रधानमंत्री केंद्रीय रक्षा मंत्री एवं कैबिनेट सचिव का आभार

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्र राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, एस बी सिह, एम पी द्विवेदी के नेतृत्व में इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन का एक प्रतिनिधिमंडल माननीय कैबिनेट सचिव से दिनांक 25 सितंबर को राष्ट्रपति भवन में भेंट कर आठवें वेतन आयोग की मंजूरी दिए जाने तथा उसे 1जनवरी 2026 से लागू किए जाने की मांग की गई थी जिस पर कैबिनेट सचिव द्वारा प्रतिनिधिमंडल को आठवे वेतन आयोग को शीघ्र मंजरी दिये जाने का आश्वासन दिया गया था। दिनांक 28 अक्टूबर 2025 को केंद्रीय कैबिनेट द्वाराआठवें वेतन आयोग को मंजूरी दिए जाने पर इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी पी मिश्र, उप महामंत्री अतुल मिश्रा, (उत्तर प्रदेश) राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एस बी सिंह मध्यप्रदेश के प्रभारी एम पी द्विवेदी एवं प्रदेश अध्यक्ष सुभाष शर्मा आदि ने मान प्रधानमंत्री भारत सरकार मान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा मान कैबिनेट सचिव भारत सरकार का आभार व्यक्त किया है। साथ ही मान मुख्यमंत्री मोहन यादव जी से मांग की है की मध्य प्रदेश के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन एवं भत्तों में बढ़ोतरी हेतु राज्य सरकार शीघ्र आयोग को मंजूरी देते हुए इसे 1 जनवरी 2026 से लागू करे।

रेल साहित्य परिषद की दीपावली विशेष काव्य गोष्ठी सम्पन्न

जिसकी भरी है जेब उसने रोज मनाली कैसे मनाएं पर्व अगर जेब हो खाली..!

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

'जिसकी भरी हो जेब उसने रोज मना ली ,कैसे मनाएं पर्व अगर जेब हो खाली , | ' जैसे ही यह पंक्तियां वरिष्ठ कवि घनश्याम मैथिल अमृत ने पढ़ी स.डि .पु.का. पश्चिम मध्य- रेल का ओबीसी सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा , अवसर था रेल साहित्य परिषद भोपाल द्वारा आयोजित दीपावली विशिष्ठ काव्य गोष्ठी एवं वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी बृजेंद्र कुमार सिंह के स्थानांतरण अवसर पर आयोजित बिदाई समारोह का, | कार्यक्रम के पूर्व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात संस्था की ओर से मंचस्थ बृजेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य अतिथियों का पुष्पहारों से स्वागत किया गया, गोष्ठी में कवि राजेंद्र विश्वकर्मा ' राज ' ने गोष्ठी क्रम को आगे बढ़ाते हुए पढ़ा -' घर - आंगन में दीप जल उठे देखो आई दिवाली , गांव शहर हैं खुशियां छाईं देखो आई दिवाली , | ' |गोष्ठी में वरिष्ठ गजलकार बी एन तिवारी साहिब ने सुमधुर गजल कुछ यूं प्रस्तुत की - ' अगर मिलते ना तुमसे से तो दिल लगाने हम कहा जाते,
दिए उल्फत के दुनिया में जलाने हम कहा जाते।
वरिष्ठ कवि अनिल रंगोठा जी की पंक्तियां देखें -
' आइनो पर धूल इतनी मिला रखी है,
हर बेहोश को शराब पिला रखी है |
वरिष्ठ कवि अशोक गौतम घायल ने कुछ यूं बात रखी -
' शम्मा सूरज को दिखाने की जरूरत क्या है,
पानी में आग लगाने की जरूरत क्या है, |'
कवि वीरेंद्र बड़गाइयां ' बाबूजी ' की इन पंक्तियों को श्रोताओं की खूब सराहना मिली -
"यह देश है गौतम ऋषि का,
बापू ने पसीने से सींचा है,|'
कवि हीरालाल पारस ने कवि गोष्ठी को नई ऊंचाइयां दीं

' आदमी का कद कितना छोटा है
सोच बड़ी हो तो, आसमान भी छोटा है |'

युवा कवि आशीष गुप्ता की काव्य पंक्तियां भी देखें -
' मां होती है सबसे प्यारी हमारे हर दर्द दुःख के मुख को मोड़कर उसे पर पड़ जाती है भारी |' गीतकार गिरिजा शंकर नीर के बुंदेली गीत को श्रोताओं का भरपूर स्नेह प्यार मिला -
' भैया का नोनी बरसात,
भौजी का नोनी बरसात, |,'
युवा कवि अजय शर्मा की काव्य पंक्तियां कुछ यूं थीं
' उसको सब कुछ ला देने में,
प्यार देखिए मेरा |'
युवा कवि पुष्प कुमार पटेल की कविता भी लाजबाव रही
' कौन कहता है जिंदगी मिलती है,
एक बार,
जियो तो मिलती है हर बार ,|'
युवा कवि नमन चौकसे की पंक्तियां देखें -
' तुम्हारी गगरी में इतना भर गया हूं मैं,
तुम मटक के चलना मैं उछलूंगा नहीं, |
युवा कवि कुमार अखिलेश के मुक्तक खूब सराहे गए -
' राम नाम में बल इतना कि पत्थर तर जाते हैं,
पग धुली से अहिल्या के भाग जाग जाते है, |
वरिष्ठ कवि और व्यंग्यकार सतीशचंद श्रीवास्तव सागर ने पढ़ा -
' चलो कुछ ऐसा कर डालो
जो कहा था अब वह कर डाला , |'
युवा कवि अनिल कुमार साकेत भी खूब सराहे गए -
' चलो दिल का हाल सुनाते हैं। वह जज्बात सुनाते हैं। आंखों में हैं आंसू आते, पर आ नहीं पाते हैं।'
चर्चित कवि नीतिराज चौरे ' नीति ' की पंक्तियां -
"यहां मेरे दोस्तों मैंने लोगों के अरमान बदलते देखे हैं,
जीवन में जीने के सारे साजो समान बदलते देखे हैं, |'
इस प्रकार इस यादगार कवि गोष्ठी का समापन हुआ ,गोष्ठी का सरस संचालन नीतिराज चौरे ने किया और अंत में आभार कुमार अखिलेश ने प्रकट किया।

ये दिलासा नाकाफी है!

रुबियो ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से तनाव है, इसलिए अमेरिका के पाकिस्तान से गहराते रिश्ते पर भारतीय चिंता को वे समझते हैं। मगर उन्होंने सलाह दी कि भारत 'परिपक्व' और 'व्यावहारिक नजरिया' अपनाए। जिस रोज डॉनल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर की तारीफ करते हुए उन्हें 'महान व्यक्ति' बताया, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत को दिलासा दी कि पाकिस्तान के साथ अमेरिका का रिश्ता भारत से संबंधों की कीमत पर नहीं होगा। रुबियो ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से तनाव है, इसलिए अमेरिका के पाकिस्तान से गहराते रिश्ते को लेकर भारतीय चिंता को वे समझते हैं। मगर उन्होंने सलाह दी कि भारत 'परिपक्व' और 'व्यावहारिक' नजरिया अपनाए। कहा- 'देखिए, भारत के कई ऐसे देशों के साथ संबंध हैं, जिनसे हमारा रिश्ता नहीं है। अतः यह (अमेरिका- पाकिस्तान संबंध) परिपक्व एवं व्यावहारिक विदेश नीति का हिस्सा है।' रुबियो ने कहा कि पाकिस्तान से रणनीतिक संबंध के विस्तार को अमेरिका अपने लिए एक अवसर मानता है। यह अवसर क्या है, यह उन्होंने नहीं बताया। मगर संभवतः ट्रंप प्रशासन मानता है कि मध्य एशिया में अपनी पहुंच को गहराई देने तथा दक्षिण एवं मध्य एशिया में चीन की रणनीतिक बढ़ी पकड़ को नियंत्रित करने के लिहाज से पाकिस्तान का महत्त्व है, जिसका अधिकतम लाभ उसे उठाना चाहिए। बहरहाल, भारत की विदेश नीति को यह ऐसा झटका है, जिसकी भरपाई रुबियो की बातों से नहीं हो सकती। इस सदी में तमाम भारतीय सरकारों ने अमेरिका से रणनीतिक निकटता बनाने को तरजीह दी, तो इस नीति में पाकिस्तान को पश्चिम में अलग-थलग करना प्रमुख मकसद रहा है। इसके बदले भारत चीन को नियंत्रित करने की पश्चिमी देशों की प्राथमिकता में सहायक बनने (जिससे भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान के हित भी सधते हैं) को तैयार हुआ। शुरुआत में यह नीति कारगर होती दिखी। मगर ट्रंप प्रशासन ने सारे समीकरण उलट-पुलट दिए हैं। उसकी चुभन भारत को महसूस हुई है। अमेरिकी रणनीति में पाकिस्तान को मिली अहमियत से भारतीय मनोविज्ञान आहत हुआ है। रुबियो ने जो कहा है, उसका अर्थ यह है कि पाकिस्तान को महत्त्व देना ट्रंप प्रशासन की सुविचारित नीति है, जिसमें फिलहाल कोई बदलाव नहीं होने वाला है। भारत को इस नई स्थिति को स्वीकार करना होगा। 'परिपक्वता' और 'व्यावहारिक नजरिए' से उनका मतलब यही है।

मध्यम मार्ग ही उचित!

एआई से तैयार कंटेन्ट आज एक ऐसी हकीकत हैं, जिनके साथ जीना समाज को सीखना होगा। ऐसे कंटेन्ट समाज उथल-पुथल का जरिया बन सकते हैं। अतः इस कारोबार से जुड़े सभी पक्षों को न्यूनतम अनुशासन स्वीकार करना चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से तैयार कंटेन्ट को विनियमित करने के लिए पिछले हफ्ते सरकार ने नियमों का प्रारूप जारी किया, जिसको लेकर एआई प्लैटफॉर्म्स, कंटेन्ट क्रियेटर्स और इस उद्योग से जुड़े दूसरे हितधारकों ने कई आशंकाएं जताई हैं। एक प्रमुख दलील यह है कि इन नियमों का कंटेन्ट क्रियेटर्स की रचनात्मकता पर खराब असर पड़ेगा। खास एतराज कंटेन्ट के दस फीसदी हिस्से को वाटरमार्क के लिए आरक्षित रखने के प्रावधान पर है, जिस पर यह लिखा होगा कि संबंधित कंटेन्ट एआई से तैयार किया गया है। तर्क दिया गया है कि इससे व्यापारिक उद्देश्यों के लिए तैयार कंटेन्ट का प्रभाव घट जाएगा। कहा गया है कि ऐसे कंटेन्ट एआई और मानव कौशल के मेल से तैयार किए जाते हैं, जिस बात की अनदेखी प्रारूप में की गई है। नियमों के तहत सोशल मीडिया कंपनियों पर भी जवाबदेही डाली गई है। देखने वालों को यह साफ-साफ मालूम हो कि कंटेन्ट कृत्रिम ढंग से तैयार किया गया है, इन कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा। बहरहाल, यह प्रावधान भी प्रारूप में शामिल है कि सिर्फ वरिष्ठ अधिकारियों के पास ही किसी कंटेन्ट को हटवाने का अधिकार होगा। ऐसा निर्देश सिर्फ संयुक्त सचिव या उनसे ऊपर स्तर के अधिकारी अथवा राज्यों में पुलिस उपमहानिदेशक स्तर के अधिकारी ही जारी कर सकेंगे। शरारती कंटेन्ट के मामलों में अभी मौजूद सूचना तकनीक कानून के प्रावधान लागू किए जाएंगे। तो कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि सूचना तकनीक को विनियमित करने के पहले से मौजूद प्रावधानों का विस्तार अब एआई से तैयार डीपफेक एवं दूसरे आपत्तिजनक कंटेन्ट को नियंत्रित करने के लिए किया जाएगा। यह नहीं कहा जा सकता कि यह पूरी तरह गैर-जरूरी है। एआई से तैयार कंटेन्ट आज एक ऐसी हकीकत हैं, जिनके साथ जीना समाज को सीखना होगा। ऐसे कंटेन्ट समाज उथल-पुथल का जरिया बन सकते हैं। अतः इस कारोबार से जुड़े सभी पक्षों को न्यूनतम अनुशासन स्वीकार करना चाहिए। बहरहाल, इस क्रम में रचनात्मकता कुंद ना हो जाए, यह उचित अपेक्षा है। चूंकि अभी नियमों का प्रारूप ही आया है, इसलिए सभी संबंधित पक्षों के साथ राय-मशविरे कर केंद्र को इसे अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए।

दत्तात्रेय भक्त सहस्त्रार्जुन!

नर्मदा नदी के तट पर अवस्थित अपनी राजधानी माहिष्मति में उन्होंने लंकाधिपति रावण के अतिरिक्त नागों के राजा कार्कोटक नाग को भी हराकर बंदी बना रखा था। एक हज़ार हाथों की शक्ति होने की वरदान के कारण सहस्त्रार्जुन नाम से विख्यात माहिष्मती नरेश के पास एक हजार अक्षौहिणी सेनाएं भी थी। लेकिन परशुराम से उनकी विवाद के कारण यह अति समृद्ध व विख्यात हैहय साम्राज्य नष्ट हो गया। भारतीय काल गणनानुसार पचीसवें कृतयुग के आरंभ में माहिष्मती साम्राज्य के महाराज हैहय के दसवीं पीढ़ी के त्रेतायुगीन हैहय शासक महाराज कृतवीर्य अत्यंत प्रतापी राजा थे। उनकी कई रानियां थी, लेकिन किसी को कोई संतान नहीं थी। राजा और उनकी रानियों के द्वारा पुत्र रत्न प्राप्ति के लिए घोर तपस्या किये जाने के बाद भी उन्हें कोई सफलता नहीं मिल रही थी। तब उनकी एक रानी इक्ष्वाकुवंशी राजा हरिशचंद्र की पुत्री महारानी पद्मिनी ने देवी अनुसूया से इसका उपाय पूछा, तो देवी अनुसूया ने उन्हें अधिक मास में शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी को उपवास रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने के लिए कहा। उन्होंने विधिपूर्वक एकादशी का व्रत किया। जिसके कारण प्रसन्न भगवान ने उन्हें वर मांगने के लिए कहा, तो राजा और रानी ने उनसे सर्वगुण सम्पन्न, सभी लोकों में आदरणीय तथा किसी से पराजित न होने वाले पुत्र प्राप्ति का वरदान मांगा। भगवान ने उनसे कहा कि ऐसा ही होगा। यथासमय कार्तवीर्य की पत्नी इक्ष्वाकुवंशी राजा हरिशचंद्र की पुत्री महारानी पद्मिनी के गर्भ से कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को श्रवण नक्षत्र में प्रातः काल के मुहूर्त में एक पुत्र का जन्म हुआ, जो कालांतर में सहस्त्रार्जुन, कार्तवीर्य अर्जुन के नाम से विख्यात होकर पूजित हुआ। कार्तवीर्य अर्जुन को अर्जुन, सहस्त्रार्जुन, सहस्त्रबाहु अर्जुन, सहस्त्रादित्य, सुदर्शन सहस्त्रार्जुन, कृतवीर्यनन्दन, राजेश्वर, हैहयाधिपति, दषग्रीविजयी, सुदशेन, चक्रावतार, सप्तद्रवीपाधि आदि अन्य नामों से भी जाना जाता है। इनका जन्म का नाम एक वीर था। धनुष, तलवार, चक्र, त्रिशूल आदि अस्त्र संचालन में सिद्धहस्त वीर होने के कारण इन्हें अर्जुन कहा गया। राजा कृतवीर्य के पुत्र होने के कारण कार्तवीर्य तथा भगवान दत्तात्रेय के भक्त होने के कारण उनकी तपस्या कर मांगे गए सहस्त्र बाहु अर्थात एक हजार भुजाओं के बल के वरदान के कारण उन्हें सहस्त्रबाहु अर्जुन, सहस्त्रबाहु कार्तवीर्य या सहस्त्रार्जुन आदि नामों से जाना जाता है। हैहय वंश में श्रेष्ठ राजा होने के कारण हैहय वंशाधिपति, माहिष्मति नगरी के राजा होने से माहिष्मति नरेश, सातों महाद्वीपों के राजा होने के कारण सप्त द्वीपेश्वर, रावण को हराने के कारण दशग्रीव जयी और राजाओं के राजा होने के कारण राजराजेश्वर आदि नामों से भी पौराणिक ग्रंथों में संबोधित किया गया है। ऐसी मान्यता है कि महाराज कार्तवीर्यार्जुन के राज्याभिषेक में स्वयं दत्तात्रेय एवं ब्रह्मा का पदार्पण हुआ था। राजसिंहासन पर बैठते ही उन्होंने घोषणा कर दी कि मेरे अतिरिक्त कोई भी शस्त्र-अस्त्र धारण नहीं करेगा। वे अकेले ही सब प्रकार से अपनी प्रजा का पालन और रक्षा करते थे। युद्ध, दान, धर्म, दया एवं वीरता में उनके समान कोई नहीं था। सहस्त्रार्जुन के विष्णु के चौबीसवें अवतार होने की पौराणिक मान्यता होने के कारण उन्हें उपास्य देवता मानकर उन्हें पूजा और कार्तिक शुक्ल पक्ष की सप्तमी को सहस्त्रार्जुन जयंती मनाई जाती है। क्षत्रिय धर्म की रक्षा और सामाजिक उत्थान के लिए कार्तवीर्य अर्जुन की गरिमामयी इतिहास के स्मरण, उनके गुणगान और महिमा को धूमधाम से जयंती के रूप में मनाया जाता है। महाभारत, भागवत पुराण, मत्स्य पुराण, नारद पुराण, हरिवंश पुराण, वायु पुराण, कालिका पुराण, पद्म पुराण आदि ग्रंथों में हैहयवंश और महिष्मति संबंधी विवरणी अंकित है। पौराणिक मान्यतानुसार विष्णु के मानस प्रपुत्र तथा सुदर्शन के अवतार और धन, कीर्ति व बल के देवता के रूप में प्रसिद्ध सहस्त्रार्जुन ने सात महाद्वीपों एवं ब्रह्मांड पर विजय प्राप्त कर धर्मपूर्वक 85 हजार वर्षों तक शासन किया। उन्हें भगवान दत्तात्रेय नारायण के महान भक्त और एक हजार हाथ वाले देवता के रूप में पौराणिक ग्रंथों में अंकित किया गया है, जिसके सामने राक्षस नरेश रावण चींटी के समान था। भागवत पुराण 9/23/ 25 के अनुसार पृथ्वी के अन्य शासक बलिदान, उदार, दान, तपस्या, यौगिक शक्तियों, विद्वानों के प्रदर्शन

के मामले में कार्तवीर्य अर्जुन की बराबरी नहीं कर सकते, न तो भूत में और न ही भविष्य में। नर्मदा नदी के तट पर अवस्थित अपनी राजधानी माहिष्मति में उन्होंने लंकाधिपति रावण के अतिरिक्त नागों के राजा कार्कोटक नाग को भी हराकर बंदी बना रखा था। एक हज़ार हाथों की शक्ति होने की वरदान के कारण सहस्त्रार्जुन नाम से विख्यात माहिष्मती नरेश के पास एक हजार अक्षौहिणी सेनाएं भी थी। लेकिन परशुराम से उनकी विवाद के कारण यह अति समृद्ध व विख्यात हैहय साम्राज्य नष्ट हो गया। महर्षि जमदग्नि की हत्या के कारण पृथ्वी के सभी अधर्मी क्षत्रिय और कार्तवीर्य अर्जुन के 995 पुत्र भगवान परशुराम के हाथों मारे गए। बाद में 995 में से परशुराम द्वारा छोड़े गए अर्जुन के छोटे पुत्र तलजंग ने आर्यावर्त पर विजय प्राप्त की। भागवत पुराण के अनुसार चंद्रवंशीय क्षत्रिय शाखा में महाराज ययाति की दो रानियों देवयानी व शर्मिष्ठा से पांच पुत्र उत्पन्न हुए। इसमें तुवेशुं सबसे पितृ भक्त पुत्र थे, जिनके वंश में कृतवीर्य तथा उनके पुत्र के रूप में कार्तवीर्य अर्जुन उत्पन्न हुए। कृतवीर्य के पुत्र होने के कारण उन्हें कार्तवीर्य अर्जुन और सहस्त्र बाहु अर्थात भुजाओं का बल का आशीर्वाद पाने के कारण सहस्त्रबाहु अर्जुन भी कहा जाता है। हरिवंश पुराण अध्याय 38, वायु पुराण अध्याय 2 व 32 तथा मत्स्य पुराण अध्याय 42 आदि ग्रंथों में कंकोतक नाम वंशजों के साथ हैहय राजा कार्तवीर्य, सहस्त्रार्जुन या सहस्त्रबाहु ने युद्ध में जीत कर अपनी अधिपत्य में स्थापित करने का उल्लेख अंकित है। महाभारत में महेश्वरपुर और महिष्मति नगर अथवा स्थान का उल्लेख अंकित है, जिसे वर्तमान मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में इंदौर से लगभग 70 किलोमीटर दक्षिण में नर्मदा नदी के उत्तरी तट पर अवस्थित महेश्वर अथवा महिष्मति का ही बोधक माना जाता है। पद्मपुराण के अनुसार महिष्मति में ही शिव के द्वारा त्रिपुरासुर का वध हुआ था। प्रायः सभी पौराणिक ग्रंथों में यदुवंश के समकालीन ययाति शाखा हैहयवंश का महिष्मति पर राज्य और अधिकार करने का वर्णन है, और महिष्मति ही हैहय वंश के राजाओं की राजधानी भी रही है। सहस्त्रार्जुन अपने युग के धैर्यवान, शौर्यवान एवं धर्मनिष्ठ ऐसे राष्ट्र व युग पुरुष थे, जिन्होंने साक्षात भगवान के अवतार दत्तात्रेय को अपना गुरु माना। उनसे संपूर्ण शिक्षा- दीक्षा व धनुर्विद्या का गुण प्राप्त कर उन्हें अपनी तप, उपासना, प्रार्थना से प्रसन्न किया और उनसे अपराजेय होने, मृत्यु अपने से श्रेष्ठ हाथों से होने और सहस्त्रभुजाओं के बल होने का वरदान भी प्राप्त कर लिया। जिसके कारण वह सहस्त्रबाहु अर्जुन कहे गए। उन्होंने संपूर्ण पृथ्वी पर अपना अधिपत्य स्थापित किया था। वे परम भक्त और भृगुवंशी ब्राह्मण के यजमान थे। उनके जैसा दानवीर कोई और दूसरा शासक नहीं था। उन्होंने बहुत सारे यज्ञ और हवन का आयोजन कर प्रचुर मात्रा में विद्वान ब्राह्मणों को धन दान किया। वे प्रजा को हमेशा सुखी रखने का प्रयास करते थे। उन्होंने अपनी शक्ति से अपना साम्राज्य हिमालय तक फैला रखा था और संसार में कोई भी ऐसा नहीं था, जो उनसे युद्ध करने का साहस करता हो। लेकिन परशुराम से संघर्ष ने उनसे सब कुछ छीन लिया और उनके वंशज दर- दर भटकने, छुपकर, गुमनाम जीवन जीने को विवश हो गए, ताकि चिरंजीवी परशुराम की नजरों से बच कर जी सकें। आज भी उनके वंशज यत्र- तत्र बिखरे पड़े हैं। और छुपकर गुमनामी का जीवन जीने को विवश हैं। ऐसा कहा जाता है कि जिनके पूर्वज कभी भूपतियों के सिरमौर थे, जिनके आगे संसार के सभी अभिपति सिर नवाते थे, उन महान राजा कार्तवीर्य की संतानों ने जीवनयापन हेतु अपनी क्षत्रिय विद्यता और युद्ध में अस्त्र-शस्त्र निर्माण की कला का उपयोग धातु विज्ञान के ज्ञाता होने के कारण बर्तन निर्माण का व्यासाय अपनी रक्षा और बचाव के लिए किया। झारखण्ड प्रान्त में हाथ से पीटकर कांसे के वर्तन निर्माण व्यवसाय के लिए प्रसिद्ध गुमला जिले के पालकोट प्रखण्ड के प्राचीन पालकोट कंसेरा टोली ग्राम निवासी स्थानीय कांस्यकार विद्वान 67 वर्षीय राधेश्याम कंसारी, भारतीय जनता पार्टी, जिला- गुमला के युवा नेता युद्धिष्ठिर कंसारी सहित कई अन्य जानकार कहते हैं- परशुराम के भय और ऋषि जमदग्नि का श्राप ही मूलतः हैहयवंशी क्षत्रियों के अपने मूल स्वरूप को छिपाना त्रेता युग से अब तक एक बड़ा कारण रहा है, जो आज इस आधुनिक युग में भी अछूता नहीं है। आज भी परशुराम के भय से भयभीत हैहयवंशी अपनी वास्तविक पहचान, सनातनीय अस्मिता का संघर्ष करने से डरते हैं। परशुराम-सहस्त्रबाहु संग्राम के पश्चात भयवश छिपने के लिए हैहयवंशीय क्षत्रियों ने कई समुदायों और वर्गों में अपने को शामिल कर लिया, ताकि उनके मूल रूप की पहचान परशुराम द्वारा नहीं की जा सके। बहुत से हैहयवंशीय गर्भवती और विधवा स्त्रियां भी अपना वंश बचाने के लिए विभिन्न रूपों व समुदायों के वर्गों में शामिल हो गयी थी, जो परशुराम द्वारा सहस्त्रबाहु का अंत किये जाने के बाद भी उनका क्रोध शांत होने के पश्चात भी जारी रहा है। अपने आपको हैहयवंशी क्षत्रिय कहने वाले हाथ से पीटकर कांसे के वर्तन निर्माण के लिए प्रसिद्ध प्राचीन पम्पापुर वर्तमान पालकोट कंसारी टोली निवासी राधेश्याम कंसारी, युद्धिष्ठिर कंसारी के अनुसार आज कलियुग में भी हैहयवंशियों को अपनी पहचान बताने में डर लगता रहता है। और वह परशुराम के डर से जिस समुदाय या वर्ग में छिपे हुए थे, उसी के कर्म के अनुसार अनेक प्रकार के कार्य करने वालों में शामिल हो गए और उनके कर्म में ही अपनी पहचान छिपा दी। उन्हीं समुदाय और वर्गों में अन्य समुदायों की तरह कांस्ययुग में कांस्य का काम करने के कारण कसेरा वर्तमान कांस्यकार, ताम्रयुग में तांबे का काम करने के कारण तमेरा वर्तमान ताम्रकार आदि हैं। कई अन्य प्रान्तों, स्थानों में परिवेश अनुसार अनेक प्रकार के संबोधनों से बहुत सारे उपनाम प्रचलित हैं, जो मूल रूप से हैहयवंशी हैं। उत्तर पूर्व और मध्य भारत के कई राज्यों में बर्तन निर्माण व व्यावसाय करने का कार्य हैहयवंशियों द्वारा प्रचुर मात्र में किया जाता रहा है। हैहयवंश क्षत्रिय वंश अर्थात जाति के वंशज आज भी सहस्त्रार्जुन को स्मरण करते हैं, नाम -जप करते हैं। उन्हें भगवान सदृश्य मान कर पूजते हैं। प्रजा में उनकी अपार लोकप्रियता के कारण देवतुल्य माने जाने कारण आज भी उनकी देवतुल्य पूजा होती है। मत्स्य और हरिवंश आदि पौराणिक ग्रंथों के अनुसार सहस्त्रार्जुन भगवान के जन्म वृतांत, नाम जप, स्मरण, उनकी कथा की महिमा का वर्णन करने, कहने- सुनाने वाले मनुष्य के धन का नाश कभी नहीं होता। कभी नष्ट हो भी जाने पर पुनः प्राप्त हो जाता है। उनकी जीवन और आत्मा यथार्थ रूप से पवित्र हो जाती है तथा वह स्वर्गलोक में प्रशंसित होता है।

-अशोक 'प्रवृद्ध'

सहयोगियों को शाह का संदेश!

अमित शाह ने वैसे तो महाराष्ट्र में भाजपा की सहयोगी पार्टियों को संदेश दिया है लेकिन वह संदेश देश भर की सभी उन पार्टियों के लिए है, जो भाजपा के साथ एनडीए में शामिल हैं। अमित शाह सोमवार को एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने मुंबई पहुंचे थे, जहां उन्होंने बहुत साफ अंदाज में कहा कि भाजपा को महाराष्ट्र में अब किसी बैसाखी की जरुरत नहीं है। यह बात उन्होंने स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी के संबंध में कही। जाहिर है कि अमित शाह ने साफ कर दिया कि भाजपा अपने दम पर स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है इसलिए उसकी सहयोगी पार्टियों यानी शिव सेना और एनसीपी को अपना रास्ता देखना चाहिए। शाह ने भाजपा के कार्यकर्ताओं को स्थानीय निकाय चुनाव में अपनी ताकत दिखान का आह्वान भी किया। गौरतलब है कि भाजपा महाराष्ट्र में पहले शिव सेना की बैसाखी के सहारे चलती थी। बाद में उसने वह बैसाखी तोड़ दी। अब दो दो शिव सेना हैं, जिसमें से एकनाथ शिंदे वाली शिव सेना को चुनाव आयोग ने असली माना है और वह भाजपा के साथ है। पिछला विधानसभा

चुनाव शिंदे के मुख्यमंत्री रहते उनके नेतृत्व में लड़ा गया था। चुनाव के बाद एकनाथ शिंदे को उप मुख्यमंत्री बनाया गया और भाजपा के देवेंद्र फड़नवीस मुख्यमंत्री बने। चुनाव नतीजों के कारण ऐसी स्थिति बनी कि भाजपा को किसी की जरुरत नहीं रह गई। महाराष्ट्र विधानसभा में बहुमत के लिए 145 सीट की जरुरत होती है और भाजपा ने अकेले 132 सीटें जीत लीं। उसका स्ट्राइक रेट करीब 93 फीसदी रहा। चुनाव के बाद अगर एकनाथ शिंदे की शिव सेना और अजित पवार की एनसीपी साथ नहीं देते तब भी भाजपा सरकार बनाती। यही बात अमित शाह ने सरकार बनने के एक साल बाद अपनी सहयोगी पार्टियों को बता दिया है। उनको कह दिया है कि भाजपा को शिव सेना या एनसीपी की बैसाखियों की जरुरत नहीं रह गई है। कुछ समय पहले तो भाजपा ने यह बात राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के लिए कह दी थी और आज तक उससे पीछा नहीं हटी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि भाजपा को कभी संघ की जरुरत थी लेकिन अब भाजपा अपने दम पर इतनी मजबूत हो गई है कि उसे संघ की जरुरत नहीं है। इसका मतलब है कि भाजपा इस कहावत पर अक्षरशः अमल करती है कि पैर ठीक होने के बाद इंसान सबसे पहले बैसाखी को एक बोझ मान कर फेंकता है। महाराष्ट्र का यह संदेश देश के बाकी राज्यों के लिए भी है। हालांकि ऐसा नहीं है कि सहयोगी पार्टियां इस बात को नहीं समझती हैं। उनको पता है कि गठबंधन में उनका स्थान उपयोगिता के लिहाज से ही है। जैसे आज केंद्र में जरुरत है तो चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार दोनों की पूछ है। बिहार में भाजपा नीतीश कुमार की बैसाखी फेंक कर अपने अपने पैरों पर चलने के लिए कब से बेचैन है। लेकिन कामयाबी नहीं मिल पा रही है। पिछले चुनाव में उसने चिराग पासवान को अलग लड़ा कर यह कोशिश की थी और इस बार चुनाव बाद ऐसा कुछ करने का तानाबाना बुन रही है। हालांकि बिहार और झारखंड दोनों राज्यों में भाजपा कामयाब नहीं हो पा रही है। नीतीश के बिना भाजपा 2015 में लड़ कर देख चुकी है। उसने चार पार्टियों का गठबंधन बना कर लड़ा लेकिन पूरा एनडीए 59 ही सीट जीत पाया। इसी तरह झारखंड में 2019 में आजसू को निपटा कर भाजपा अकेले लड़ी तो सत्ता गंवा दी थी और उसके बाद से उसका प्रदर्शन लगातार खराब ही होता जा रहा है।

बचत से कर्ज की ओर बढ़ रहा है भारत!

भारत के प्राचीन दर्शन में कर्ज लेकर घी पीने की सलाह देने वाले ऋषि भी हुए हैं। कर्ज की मय पीकर फाकामस्ती के रंग लाने की उम्मीद पालने वाले शायर भी हुए। लेकिन भारत के लोगों ने कभी भी कर्ज लेकर घी या मय पीने को जीवन का सिद्धांत नहीं बनाया। इसकी बजाय भारत मितव्ययिता को जीवन का सार मानने वाला देश रहा। लघु बचत के मामले में भारतीयों का जवाब नहीं है। तभी जब 2008 में दुनिया भर में मंदी आई, जिसे अमेरिका के सब प्राइम क्राइसिस के नाम से जाना जाता है तो भारत पर उसका कोई असर नहीं हुआ। भारत में सब कुछ सामान्य तरीके से चलता रहा। इसका कारण भारत के आम लोगों की लघु बचत रही। ध्यान रहे भारत के बैंकों ने राजनीतिक दबाव और भ्रष्टाचार के कारण आम लोगों की बचत का बहुत पैसा लुटाया है। राजनेताओं के संरक्षण में लाखों करोड़ रुपए के बैंकिंग फ्रॉड हुए। फिर भी बैंकों की सेहत बहुत जल्दी सुधर गई क्योंकि भारत के लोग कर्ज लेकर मौजमस्ती करने की बजाय पैसे जमा करने को ज्यादा श्रेष्ठ आचरण मानते हैं। परंतु अब प्राचीन काल से चला आ रहा जीवन मूल्य बदल रहा है। अब भारत में कर्ज लेने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। दिखावे से दूर सादा जीवन और उच्च विचार के भारतीय दर्शन को नई पीढ़ी पीछे छोड़ कर वैसे ही दिखावे में दिवालिया होने की ओर बढ़ रही है, जैसे दक्षिण कोरिया के गगनम में हुआ। 'ओपन गगनम स्टाइल' गाना तो लोगों को ध्यान ही होगा। अमेरिका और लगभग समूचे पश्चिम में उपभोक्तावाद कर्ज लेकर घी या मय पीने के जीवन दर्शन पर ही फला फूला है। यह हकीकत है कि अमेरिका में औसत व्यक्ति अपने जीवन में जितना कमाएगा उतना वह कर्ज ले चुका है। सबका जीवन क्रेडिट पर चल रहा है। भारत भी उस जीवन दर्शन की ओर बढ़ रहा है। भारत तेजी से ऐसे लोगों का देश बनता जा रहा है, जिनका जीवन बैंक की किस्तें चुकाने के संघर्ष में जाया हो रहा है या आने वाले समय में होगा। आजकल हर चीज किस्तों पर उपलब्ध है। किस्तों पर आईफोन खरीदे जा रहे हैं। किस्तों पर विदेश दौरे हो रहे है और किस्तों पर शादियों के भव्य और चमकदार समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। किस्तों पर बीमारियों के इलाज हो रहे हैं वह एक

अलग संकट है। अमेरिका या पश्चिमी दुनिया के मुकाबले भारत में फर्क यह है कि वहां सामाजिक सुरक्षा की योजनाएं हैं, जो भारत में नहीं हैं। वहां नौकरी जाने पर अच्छा खासा बेरोजगारी भत्ता मिलता है और जल्दी ही नौकरी मिल जाने की संभावना रहती है। भारत में ऐसा कुछ नहीं है। वहां कर्ज देने की सांस्थायिक व्यवस्था है। इसके उलट भारत में जैसे नौकरी असंगठित क्षेत्र की है वैसे ही कर्ज देने की व्यवस्था भी असंगठित क्षेत्र की है। ऐप के जरिए कर्ज देने वाली कंपनियों हजारों की संख्या में हैं। जो बिना किसी कोलैटरल के किसी ऐप के जरिए इंस्टेंट कर्ज देती हैं और साल में 18 फीसदी तक ब्याज वसूलती हैं। ब्याज और कर्ज चुकाने में असफल रहने पर सोशल मीडिया में बदनाम करने से लेकर गुंडे भेज कर धमकी देने और मारपीट तक होने की घटनाएं आम हैं। ऐप के जरिए इंस्टेंट लोने देने वाली कंपनियों के कर्ज के जाल में फंसे लोगों के बदनामी के डर से आत्महत्या करने की अनेक घटनाएं हुई हैं। आम नौजवान एक से ज्यादा क्रेडिट कार्ड से दिल खोल कर खर्च कर रहा है और उसके बाद उसका बकाया चुकाने के लिए संघर्ष कर रहा है। क्रेडिट कार्ड के प्रचार और 'बाई नाऊ पे लैटर' के सिद्धांत ने युवाओं को इस जाल में ज्यादा उलझाया है। यह इस साल का यानी 2025 का आंकड़ा है कि चार में से एक व्यक्ति यानी 25 फीसदी लोग पर्सनल लोन ले रहे हैं और उसे मौजमस्ती करने, छुट्टियां मनाने, घर की साज सज्जा कराने या मेडिकल का बिल भरने पर खर्च कर रहे हैं। यह भी 2025 का आंकड़ा है कि आज चार में से एक आईफोन किस्तों पर खरीदा जा रहा है या क्रेडिट कार्ड से खरीदा जा रहा है। शादी की तैयारी कर रहे नए जोड़ों में से 26 फीसदी ने एक सर्वे में कहा है कि वे अपनी शादी को भव्य तरीके से करने के लिए पर्सनल लोन लेंगे। इन सबका असर यह हुआ है कि कर्ज की बढ़ती मात्रा चौंकाने वाले स्तर पर पहुंच गई है। 2014 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के अनुपात में 26 फीसदी घरेलू कर्ज था, जो 2024 में बढ़ कर 41.9 यानी करीब 42 फीसदी हो गया। सोचें, घरेलू कर्ज और जीडीपी का अनुपात 10 साल में 16 फीसदी बढ़ गया। यह बैंकिंग का आंकड़ा है कि अनसिक्योर्ड खुदरा कर्ज, जिसकी वसूली मुश्किल हो रही है वह तीन से चार लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। यह जितना आम आदमी का संकट है, उतना ही बड़ा बैंकिंग और देश की वित्तीय व्यवस्था का संकट है। प्रचार और चमक दमक से प्रभावित भारत के युवा 'कल हो न हो' के अंदाज में जी रहे हैं। लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति और भविष्य की संभावनाएं इसको सपोर्ट नहीं करती हैं। तभी वे लगातार कर्ज के जाल में फंसते जा रहे हैं। फीयर ऑफ मिसिंग आउट यानी फोमो सिंड्रोम युवाओं को हर वह काम करने के लिए प्रेरित कर रहा है, जो वे सोशल मीडिया में देख रहे हैं। तभी देखा देखी महंगी चीजें खरीदने, महंगे रेस्तरां में जाने, महंगी शादियां करने या छुट्टियों के लिए महंगी जगहों पर जाने की सोच से उनके ऊपर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है। इसमें अगर मेडिकल इमरजेंसी हो जाए तो संकट और गहरा हो जाता है। इन सबका मिला जुला असर यह है कि वित्तीय अपराध बढ़ रहे हैं और युवाओं पर मानसिक दबाव बहुत बढ़ रहा है। अवसाद या दूसरी मेंटल हेल्थ की बढ़ती समस्याओं में कहीं न कहीं इसका भी हाथ है। नौकरी की अनिश्चितता और काम का दबाव उनकी समस्याओं में और बढ़ोतरी कर रहा है।

-अजीत द्विवेदी

राफेल से टक्कर लेने वाला चीनी J-10C लड़ाकू विमान खरीदेगा ये मुस्लिम देश! समझौते के बाद भी तुर्की को देगा धोखा, टेंशन में खलीफा

एजेंसी जकार्ता

इंडोनेशिया के एक अधिकारी ने इस महीने खुलासा किया है कि उनका देश चीनी J-10C लड़ाकू खरीदने का इरादा रखता है। उन्होंने कहा कि कम से कम 42 लड़ाकू विमान खरीदने की कोशिश हो रही है। इंडोनेशिया के अधिकारी के इस बयान ने कई डिफेंस एक्सपर्ट को चौंका दिया है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इंडोनेशिया पहले ही तुर्की से KAAN पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान, दक्षिण कोरिया से KF-21 बोरामे और अमेरिका से F-15EX ईगल II खरीदने में भी दिलचस्पी दिखा चुका है। इंडोनेशिया ने तो तुर्की से KAAN लड़ाकू विमान खरीदने के लिए समझौते पर दस्तखत भी कर दिए हैं। इसीलिए सवाल ये उठ रहे हैं कि क्या इंडोनेशिया सिर्फ समझौते कर रहा है या फिर वाकई वो कोई फाइटर जेट खरीदने वाला भी है? ऐसा इसलिए, क्योंकि उसके पास लड़ाकू विमानों की खरीददारी के लिए पहले से ही पैसे नहीं हैं। वहीं, जबकि उसका चीन के साथ पहले ही दक्षिण चीन सागर में विवाद चल रहा है, तो फिर चीनी लड़ाकू विमान खरीदना कितना समझदारी भरा फैसला है? इंडोनेशियाई वायु सेना पहले से ही लॉकहीड-मार्टिन F-16 मल्टी रोल फाइटर जेट इस्तेमाल कर रही है। इसके अलावा उसके पास रूसी सुखोई Su-27/30, दक्षिण कोरियाई KAI T-50 हल्के लड़ाकू विमान और पुराने BAE हॉक हल्के हमलावर विमान/प्रशिक्षक भी हैं। लेकिन ये सभी विमान अब पुराने हो चुके हैं और सरकार की कोशिश देश के लिए नये विमान खरीदने की है। इस बीच इंडोनेशिया, फ्रांस से भी 42 राफेल फाइटर जेट खरीद रहा है, जिसकी डिलीवरी जल्द शुरू होने वाली है। इसीलिए सवाल ये भी हैं कि क्या वो चीनी और फ्रांसीसी लड़ाकू विमान एक साथ ऑपरेट कर पाएगा? डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि चीनी लड़ाकू विमानों को अगर इंडोनेशिया खरीदता है तो जियो-पॉलिटिकल स्थिति काफी जटिल हो जाएगा। ब्रेकिंग डिफेंस की एक रिपोर्ट में कुछ डिफेंस एक्सपर्ट्स ने कहा है कि इंडोनेशिया का चीनी लड़ाकू विमान खरीदने में दिलचस्पी दिखाना जियो-पॉलिटिकल समीकरण साधने की कोशिश लगती है। ऑस्ट्रेलिया स्ट्रैटेजिक पॉलिसी इंस्टीट्यूट (ASPI) में रक्षा रणनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के वरिष्ठ विश्लेषक यूआन ग्राहम ने कहा, "राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो एक विदेशी साझेदारी से दूसरी विदेशी साझेदारी की ओर बढ़ रहे हैं, बिना किसी साफ रणनीति के। वो बहुपक्षीय गठबंधन का संकेत देने की कोशिश कर रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा, "एक बात ये भी हो सकती है कि वो अलग अलग घोषणाएं कर रहा है, ताकि वो बेहतर डील हासिल कर सके।" सिंगापुर के एस. राजारत्नम स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के वरिष्ठ फेलो कॉलिन कोह ने ब्रेकिंग डिफेंस को बताया है कि इंडोनेशिया ऐसा चीन के साथ बेहतर संबंध बनाने के लिए भी कर रहा होगा। उन्होंने आगे कहा कि चीन से मजबूत राजनीतिक संबंध बनाने के अलावा उसकी कोशिश अपने रक्षा उपकरणों में विविधता लाने की भी कोशिश हो सकती है। दरअसल, इंडोनेशिया एक 14 हजार द्वीपों वाला देश है और उसे कम से कम लड़ाकू विमानों के 10 स्क्वाड्रन चाहिए। लेकिन उसके पास बजट की समस्या है। इसीलिए एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर वो अलग अलग फाइटर जेट खरीदता है, तो उसका ऑपरेशन संभालना उसके लिए मुसीबत बन जाएगी, क्योंकि हर फाइटर जेट के लिए अलग अलग मिसाइलें होती हैं, उनका अलग नेटवर्क इंटीग्रेशन होता है, तो क्या वो ऐसा कर पाएगा? ये एक बड़ा सवाल है, जिसपर पहले इंडोनेशिया के अधिकारियों को ध्यान देना चाहिए।

खैबर पख्तूनख्वा को बोलो पाकिस्तान का हिस्सा, नहीं तो... TTP के वार से बौखलाई मुनीर सेना, अपने ही नेताओं को धमकाया

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तानी सेना खैबर पख्तूनख्वा में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हमलों से बौखलाई हुई है। यह बौखलाहट इस कदर बढ़ गई है कि पाकिस्तानी सेना ने हाल ही में राजनीतिक दलों को निर्देश दिया है कि वे अपने भाषणों में खैबर पख्तूनख्वा को पाकिस्तान का आधिकारिक हिस्सा बताएं। सूत्रों के अनुसार, कुछ राजनीतिक दलों ने इस अनुरोध का पालन किया है। हालांकि, पश्तून तहफुज़ आंदोलन (पीटीएम) के जेल में बंद नेताओं ने भारी दबाव और बदले में जेल से रिहाई की पेशकश के बावजूद ऐसा करने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तानी सेना की मांग को अस्वीकार करने के बाद, कई पीटीएम सदस्यों के बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए और उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए। पाकिस्तानी सेना को डर है कि कहीं खैबर पख्तूनख्वा सूबा उनके हाथ से निकल न जाए। दरअसल, तालिबान लंबे समय से खैबर पख्तूनख्वा पर दावा करता रहा है। वर्तमान में टीटीपी ने इस सूबे के बड़े हिस्से पर कब्जा जमा रखा है, जहां पाकिस्तानी सेना चाहकर भी नहीं जा सकती है। तालिबान लंबे समय से अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच स्थित डूरंड लाइन को मान्यता नहीं देता है। इमरान खान समेत पाकिस्तान के भी कई बड़े राजनेता डूरंड लाइन को काल्पनिक रेखा बता चुके हैं और उसे अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच मान्यता प्राप्त सीमा नहीं मानते हैं। खैबर पख्तूनख्वा विवादित काल्पनिक डूरंड रेखा पर स्थित है, जिसे 1893 में अफगानिस्तान के तत्कालीन राजा अमीर अब्दुर रहमान खान और औपनिवेशिक भारत में ब्रिटिश दूत सर मोर्टिमर डूरंड के बीच एक समझौते के तहत स्थापित किया गया था। संहाल ही में, अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात के रक्षा मंत्री ने कतर में कहा कि काल्पनिक डूरंड रेखा का भाग्य सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों द्वारा तय किया जाना चाहिए। काल्पनिक डूरंड रेखा चित्राल के पास बदख्शां और वाखान से बलूचिस्तान प्रांत तक 2,640 किलोमीटर तक फैली हुई है। यह कुनार और नूरिस्तान को खैबर पख्तूनख्वा से; नंगरहार, पक्तिया और पक्तिका को उत्तरी और दक्षिणी वजीरिस्तान से अलग करती है; और कुर्रम, बन्नू और क्वेटा से ज़ाबुल और कंधार, ऐसे विभाजन जिन्हें दोनों तरफ के लोगों द्वारा कभी भी पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया गया।

डोनाल्ड ट्रंप ने अलग-अलग देशों में 50 बार मोदी का अपमान किया, वो डरते हैं... दादी इंदिरा का नाम लेकर राहुल गांधी का वार

एजेंसी नई दिल्ली

बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा हाई है। दरभंगा में चुनाव प्रचार के दौरान लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत-पाकिस्तान के संघर्षविराम को लेकर तीखा हमला बोला। साथ ही उन्होंने 1971 के युद्ध को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जमकर तारीफ की। राहुल गांधी ने बुधवार को दरभंगा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देता हूं कि वे ट्रंप के भारत-पाकिस्तान सीजफायर संबंधी दावों को सार्वजनिक रूप से खारिज करें। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी ट्रंप से डरते हैं। जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने आगे कहा, मोदीजी ट्रंप से डरते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 50 से ज्यादा बार कहा है कि उन्होंने मोदी को धमकाकर ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए मजबूत किया। लेकिन नरेंद्र मोदी ने एक शब्द भी नहीं कहा। उन्होंने आगे कहा, ट्रंप रोजाना उनका अपमान करते हैं, हर दिन किसी न किसी देश में। फिर भी मोदी ने एक बार भी सार्वजनिक मंच से नहीं कहा कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। वे उनके सामने सच्चाई कहने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। राहुल गांधी ने बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के समय का उल्लेख करते हुए कहा, '1971 में इंदिरा गांधी ने अमेरिका के राष्ट्रपति (रिचर्ड निक्सन) से कह दिया था कि हम तुमसे नहीं डरते। प्रधानमंत्री यह होता है।' राहुल ने आगे कहा, आज ट्रंप हमारी सेना, हमारी वायुसेना पर टिप्पणी कर रहे हैं और पीएम मोदी चुप हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, 'मैं नरेंद्र मोदी को चुनौती देता हूं कि जब बिहार आएं तो यह कहकर दिखाएं कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। लेकिन वह ऐसा नहीं कह सकते, उनमें दम नहीं है।' वहीं मुजफ्फरपुर के सकरा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में सिर्फ नीतीश कुमार के चेहरे का प्रयोग हो रहा है। अब रिमोट कंट्रोल बीजेपी के हाथ में है, जिन्हें सामाजिक न्याय से कोई मतलब नहीं है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जनसभा में आए लोगों से महागठबंधन के प्रत्याशियों को विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार सभी समाज और धर्मों की सरकार होगी। हमारी प्राथमिकता बिहार को आगे ले जाने की है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री या प्रचार प्रमुख... तालिबान के सबसे बड़े दुश्मन ने उड़ाया ख्वाजा आसिफ का मजाक, बोले- मुझे मजा आता है

एजेंसी काबुल

अफगानिस्तान के अपदस्थ उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का मजाक उड़ाया है। उन्होंने कहा कि ख्वाजा आसिफ किसी रक्षा मंत्री की तरह नहीं, बल्कि प्रचार प्रमुख की तरह बयानबाजी कर रहे हैं। सालेग ने पाकिस्तान के अफगान तालिबान के साथ संबंधों का जिक्र किया और तंज कसा कि अब दोनों पक्षों में क्यों तनाव बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे पाकिस्तानियों को तालिबान के सबसे बड़े मददगार क्वेटा शूरा के बारे में याद दिलाने से मजा आता है। सालेह ने दावा किया कि पाकिस्तानी सेना और क्वेटा शूरा में तनाव बढ़ रहा है। अमरुल्लाह सालेह ने एक्स पर लिखा, "कितना लंबा-चौड़ा बयान। क्या वह (ख्वाजा आसिफ) रक्षा मंत्री हैं या प्रचार प्रमुख? रक्षा मंत्री अपने कामों को ही सुर्खियां बनने देते हैं, अपने शब्दों और बयानों को नहीं। खैर, क्वेटा शूरा और जीएचक्यू के बीच संघर्ष एक दिलचस्प तमाशा है। मुझे अपने पड़ोसी पाकिस्तान को क्वेटा शूरा के बारे में याद दिलाने में बहुत मजा आता है। मेरा उनसे एक विनम्र अनुरोध भी है। क्या आपको नहीं लगता कि अब समय आ गया है कि आप कबूल करें कि आपने तालिबान की कैसे मदद की, क्यों की, कितनी मदद की, कितनों को प्रशिक्षित किया।" सालेह ने आगे कहा, "आप अपने शिविरों में उनके प्रशिक्षण के वीडियो क्यों नहीं साझा करते, आप अपने शहरों में उनके व्यवसाय और इमारतें क्यों नहीं दिखाते, आप हमें यह क्यों नहीं बताते कि इतनी ईमानदारी और उदारता से उनका साथ देकर आपका सपना क्या था? क्या आपको नहीं लगता कि आपको अफगान लोगों से, हामिद करजई से, अशरफ़ गनी से, और मुझसे माफी मांगनी चाहिए?" डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा, "मैं उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं कि तालिबान शासन को पूरी तरह से मिटाने और उन्हें गुफाओं में वापस धकेलने के लिए पाकिस्तान को अपने पूरे शस्त्रागार का एक अंश भी इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं है। अगर वे ऐसा चाहते हैं, तो तोरा बोरा में उनकी पराजय के दृश्यों की पुनरावृत्ति, जब वे दुम दबाकर बैठे होंगे, निश्चित रूप से क्षेत्र के लोगों के लिए देखने लायक तमाशा होगा।" हालांकि काबुल की ओर से कोई सीधा बयान नहीं आया है, लेकिन मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि वार्ता इसलिए टूट गई क्योंकि "पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने कथित तौर पर ऐसी माँगें रखीं जो दोनों पक्षों को अस्वीकार्य थीं।" टोलो न्यूज के अनुसार, सूत्रों ने कहा कि इस्लामाबाद ने अफ़ग़ानिस्तान के इस्लामिक अमीरात पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को औपचारिक रूप से एक आतंकवादी संगठन के रूप में वर्गीकृत करने और समूह के खिलाफ कार्रवाई करने का दबाव डाला।

पाकिस्तान की ISI की ढाका में हो गई एंट्री, मुनीर के नंबर 2 जनरल के जाते ही मोहम्मद यूनुस ने दी मंजूरी, भारत को खतरा

एजेंसी ढाका

मोहम्मद यूनुस के राज में बांग्लादेश में पाकिस्तानी सेना की कुख्यात खुफिया एजेंसी इंटर सर्विस इंटेलिजेंस (ISI) पूरी तरह से सक्रिय हो गई है। पाकिस्तान ने ढाका स्थित अपने उच्चायोग में एक स्पेशल ISI सेल की स्थापना की है। CNN-न्यूज18 की रिपोर्ट में खुफिया सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी गई है। सूत्रों के अनुसार, यह कदम पाकिस्तान के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी चेयरमैन जनरल साहिर शमशाद मिर्जा की चार दिवसीय बांग्लादेश यात्रा के बाद उठाया गया है। जनरल मिर्जा को पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर के बाद दूसरे नंबर का अधिकारी माना जाता है जनरल शमशाद मिर्जा ने बांग्लादेश यात्रा के दौरान मुख्य सलाहकार मोहम्मद के साथ ही देश की तीनों सेनाओं के प्रमुखों से भी मुलाकात की थी। सूत्रों का कहना है कि जनरल मिर्जा 8 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ पहुंचे थे। इसमें ISI के वरिष्ठ अधिकारी एक मेजर जनरल के साथ ही पाकिस्तान की वायु सेना और नौसेना के प्रतिनिधि भी शामिल थे। पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने बांग्लादेश की राष्ट्रीय सुरक्षा खुफिया एजेंसी (NSI) और सेना खुफिया महानिदेशालय (DGFI) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई दौर की चर्चा की। सीएनएन-न्यूज18 की रिपोर्ट में शीर्ष खुफिया अधिकारियों के हवाले से बताया कि दोनों पक्ष एक संयुक्त खुफिया-साझाकरण और सहयोग ढांचा स्थापित करने पर सहमत हुए हैं। इसका मुख्य ध्यान बंगाल की खाड़ी और भारत के पूर्वी तट के हवाई क्षेत्र की निगरानी पर होगा। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश ने कथित तौर पर पाकिस्तान को ढाका स्थित अपने उच्चायोग में खुफिया अधिकारियों की नियुक्ति की अनुमति दे दी है। तैनाती के पहले चरण में एक ब्रिगेडियर, दो कर्नल, चार मेजर के साथ पाकिस्तानी वायु सेना और नौसेना के अधिकारी साथ ही सहायक कर्मचारी शामिल होंगे। आईएसआई को एंट्री के बदले में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को सैन्य और तकनीकी सहायता की पेशकश की है। सूत्रों का कहना है कि ढाका ने JF-17 थंडर लड़ाकू विमानों और फतह सीरीज की रॉकेट प्रणालियों में विशेष रुचि दिखाई है। रक्षा खरीद सौदों को अंतिम रूप देने के लिए एक उच्च स्तरीय बांग्लादेशी सैन्य प्रतिनिधिमंडल जल्द ही पाकिस्तान के दौरे पर जा सकता है।

UAE के चीनी हथियार से इस मुस्लिम देश में कत्लेआम, 2000 लोगों को RSF ने मौत के घाट उतारा, अंतरिक्ष से दिखा लाशों का ढेर

एजेंसी खार्तूम

सूडान में पिछले दो सालों से चल रहा गृहयुद्ध भयानक स्तर पर पहुंच गया है। सूडान की सेना के ही दो हिस्से आपस में देश पर कब्जा करने के लिए लड़ रहे हैं। एक तरफ सूडान की सेना है तो दूसरी तरफ रैपिड सपोर्ट फोर्सेज यानि RSF है। सूडान की सेना ने कहा है कि पिचले 48 घंटे में RSF ने 2000 से ज्यादा लोगों की हत्या कर दी है। स्थिति इतनी ज्यादा भयानक है कि सैटेलाइट तस्वीरों में भी लाशों का ढेर दिख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, RSF ने अल-फशर शहर में निहत्थे नागरिकों का कत्लेआम कर दिया है। आधिकारिक मौतों का आंकड़ा अभी तक 2000 से ज्यादा है, जबकि वास्तविक आंकड़ा इससे काफी ज्यादा हो सकता है। दूसरी तरफ अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने सूडान के अर्धसैनिक संगठन रैपिड सपोर्ट फोर्सेज यानि RSF को चीनी हथियारों और ड्रोन की आपूर्ति में भारी इजाफा किया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, अमेरिकी रक्षा विभाग और विदेश मंत्रालय की खुफिया शाखाओं ने अक्टूबर तक ऐसी गतिविधियों की पुष्टि की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अबू धाबी से चीनी "रेनबो सीरीज" के ड्रोन, छोटे हथियार, भारी मशीनगन, तोपें, वाहन और गोला-बारूद की भारी मात्रा में RSF को सप्लाई की जा रही है। दारफुर क्षेत्र में नागरिकों को मारने के लिए इन्हीं हथियारों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने 'संभावित जातीय सफाया' करार दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 18 महीनों के क्रूर युद्ध के बाद अल-फशर शहर पर अब RSF ने कब्जा कर लिया है और वो वहां नरसंहार कर रहा है। इस समूह को विशाल दारफूर क्षेत्र की हर राज्य की राजधानी पर नियंत्रण मिल गया है। वहीं, सेना के साथ लड़ने वाले एक सैन्य समूह ज्वाइंट फोर्स ने आज कहा है कि RSF ने "अल-फशर शहर में निर्दोष नागरिकों के खिलाफ जघन्य अपराध किए हैं।" इसने कहा है कि 26 और 27 अक्टूबर को 2,000 से ज्यादा निहत्थे नागरिकों को मार दिया गया है, जिनमें ज्यादातर महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग हैं। एक वीडिया सामने आया है, जिसमें देखा जा रहा है कि एक कतार में महिलाओं और बच्चों को बिठाकर बिल्कुल सामने से उनपर अंधाधुंध गोलियां बरसाई जा रही हैं। रिपोर्ट है कि RSF के लोग घर घर जाकर लोगों को मार रहे हैं। RSF का इतिहास सूडान की जांजावीद मिलिशिया से जुड़ा है, जिसने 2000 के दशक की शुरुआत में दारफुर में गैर-अरब समुदायों पर नरसंहार किया था। इसके नेता मोहम्मद हमदान दगालो, जिन्हें "हेमेटी" के नाम से जाना जाता है, वो UAE के घनिष्ठ सहयोगी हैं और उन्होंने दुबई में अपना बिजनेस हेडक्वार्टर स्थापित किया है। रिपोर्टों के मुताबिक, हेमेटी और उनका परिवार दारफुर की खदानों से अवैध सोना दुबई के रास्ते तस्करी करते हैं, जिससे RSF की आर्थिक जड़ें मजबूत हुई हैं। इस समय हेमेटी की सेना ने सूडान के पश्चिमी हिस्से पर लगभग पूरा नियंत्रण कर लिया है। RSF के पास अब दारफुर के सभी पांच राज्यीय मुख्यालयों का नियंत्रण है, जिससे सूडान के एक बड़े हिस्से को व्यवहारिक तौर पर अलग प्रशासनिक क्षेत्र बना लिया गया है। RSF की क्रूरता अल-फाशर शहर में हुई है, जहां दो दिनों में 2,000 से ज्यादा नागरिकों की हत्या कर दी गई है। येल यूनिवर्सिटी के ह्यूमेनिटेरियन रिसर्च लैब (HRL) की तरफ से किए गए सैटेलाइट विश्लेषण में शहर के चारों ओर लाशों के समूह और लाल रंग से सनी रेत दिखाई दे रही है, जो अंतरिक्ष से भी देखी जा सकती है। HRL की रिपोर्ट के मुताबिक, यह "जानबूझकर किया गया जातीय सफाया" है, खासकर फुर, जाघावा और बर्टी जैसे गैर-अरब समुदायों के खिलाफ। चश्मदीदों के मुताबिक, RSF के लड़ाके घर-घर जाकर तलाशी अभियान के बहाने नागरिकों को गोली मार रहे थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिर्फ 2 छक्के लगाकर सूर्यकुमार यादव ने बना डाला बड़ा रिकॉर्ड, रोहित शर्मा की कर ली बराबरी

एजेंसी नई दिल्ली

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज की शुरुआत हो गई है। इस सीरीद के पहले ही मुकाबले में टीम इंडिया के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एक दमदार रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 150 छक्कों का आंकड़ा पार कर लिया है। यह खास मुकाम हासिल करने वाले वह रोहित शर्मा के बाद दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। सूर्यकुमार यादव ने यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कैनबरा के मनुका ओवल में खेले गए पहले टी20 मैच के दौरान अपने नाम किया। जैसे ही उन्होंने मैच में अपना दूसरा छक्का जड़ा, वह 150 छक्कों के खास क्लब में शामिल हो गए। इस लिस्ट में शामिल होना सूर्या के लिए काफी बड़ी बात है। यह खास मुकाम हासिल करने वाले सूर्यकुमार यादव दुनिया भर के सिर्फ पांचवें बल्लेबाज हैं। वह इस लिस्ट में शामिल होने वाले सबसे तेज बल्लेबाजों में से एक हैं। आंकड़ों पर एक नजर डालें तो, T20I में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अभी भी रोहित शर्मा के नाम है, जिन्होंने 205 छक्के लगाए हैं। सूर्यकुमार के अलावा, इस क्लब में शामिल अन्य प्रमुख बल्लेबाज हैं:

मोहम्मद वसीम (यूएई): 183 छक्के

मार्टिन गप्टिल (न्यूजीलैंड): 173 छक्के

जोस बटलर (इंग्लैंड): 172 छक्के

भारत की ओर से रोहित और सूर्यकुमार के बाद विराट कोहली (124 छक्के) एकमात्र ऐसे अन्य बल्लेबाज हैं जिन्होंने 100 से ज्यादा T20I छक्के लगाए हैं।

शानदार T20I करियर

सूर्यकुमार यादव का T20I करियर बेहद प्रभावशाली रहा है। अपने 91वें T20I मैच (86 पारियों) तक, उन्होंने 2,650 से ज्यादा रन बनाए हैं। उनका औसत 37 से अधिक है और उनका तूफानी स्ट्राइक रेट 165 से अधिक है, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी को दिखाता है। इस दौरान उन्होंने 21 अर्धशतक और चार शानदार शतक भी जड़े हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 117 रन है। एक और रिकॉर्ड यह है कि वह T20I में चार अलग-अलग देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और भारत) में शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट ने महिला विश्व कप में खेली रिकॉर्ड तोड़ पारी, 169 रन बनाकर रचा इतिहास

एजेंसी गुवाहाटी

महिला विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका का सामना इंग्लैंड से हो रहा है। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने रिकॉर्ड तोड़ पारी खेल दी है। पहले बैटिंग करने उतरी साउथ अफ्रीका के लिए वोल्वार्ड्ट ने 169 रन बनाए। 115 गेंदों पर उन्होंने अपना शतक पूरा किया। यह विश्व कप इतिहास में किसी भी साउथ अफ्रीका की कप्तान की पहली शतकीय पारी है। लौरा वोल्वार्ड्ट का यह वनडे क्रिकेट में 10वां शतक है। 143 गेंदों की अपनी पारी में उन्होंने 20 चौकों के अलावा चार छक्के मारे। 169 रन वनडे में उनका दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ लौरा वोल्वार्ड्ट ने पिछले साल 184 रनों की नाबाद पारी खेली थी। वह सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज भी हैं। सबसे ज्यादा 15 शतक ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग के नाम दर्ज है। इसी पारी

के दौरान वोल्वर्ड्ट ने वनडे क्रिकेट में अपने 5000 रन भी पूरे किए।

महिला वनडे में सबसे ज्यादा शतक

15 - मेग लैनिंग (ऑस्ट्रेलिया)

14 - स्मृति मंधाना (भारत)

13 - सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड)

12 - टैमी ब्यूमोंट (इंग्लैंड)

10 - नैट सीवर-ब्रंट (इंग्लैंड)

10 - लौरा वोल्वार्ड्ट (दक्षिण अफ्रीका)

विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे बड़ी पारी

169 - लौरा वोल्वार्ड्ट बनाम इंग्लैंड (2025)

102* - मारिजान काप बनाम पाकिस्तान (2013)

101* - लिंडा ओलिवियर बनाम आयरलैंड (2000)

101 - टैजमिन ब्रिट्स बनाम न्यूजीलैंड (2025)

विश्व कप के नॉकआउट में शतक लगाने वाली पहली कप्तान अभी तक किसी भी कप्तान ने महिला विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में शतक नहीं लगाया था। लौरा वोल्वार्ड्ट ऐसा करने वाली पहली कप्तान बन गई हैं। नॉकआउट का यह तीसरा सबसे बड़ा स्कोर भी है। हमनप्रीत कौर के नाम सबसे बड़ी 171 रनों की पारी खेलने का रिकॉर्ड है। साउथ अफ्रीका ने पहले खेलते हुए 7 विकेट पर 319 रन बनाए। यह टीम का महिला विश्व कप में सबसे बड़ा स्कोर भी है।

श्रेयस अय्यर के लिए सूर्यकुमार यादव की मां ने की प्रार्थना, छठी मैया से की सलामती के लिए कामना

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय टीम के प्रमुख बल्लेबाज श्रेयस अय्यर चोटिल चल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान कैच लेने की कोशिश में अय्यर चोटिल हो गए थे। उनकी पसलियों में चोट लगी थी और उनकी तिल्ली फट गई थी। इस चोट के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, इसमें सूर्यकुमार यादव की मां ने छठ पूजा के दौरान श्रेयस अय्यर के लिए प्रार्थना करती नजर आ रही हैं। इस बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का पहला मुकाबला बेनतीजा रहा। बिहार और यूपी समेत दुनिया भर में छठ का महापर्व धूमधाम से मनाया गया है। सूर्यकुमार यादव का परिवार पूर्वांचल से है और इसी वजह से उनका मां छठ करती हैं। वायरल वीडियो में वह कहती हैं, 'मैं यह बोलना चाहती हूं कि आप सब श्रेयस अय्यर के लिए प्रे करें। सभी लोग प्रे करें कि वो बहुत अच्छे से आ जाएं। क्योंकि मैंने कल सुना कि उसका तबियत बिल्कुल ठीक नहीं है। मुझे सुनकर बिल्कुल अच्छा नहीं लगा।' भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव नेऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज शुरू होने से पहले मीडिया से बात की। उन्होंने बताया कि श्रेयस अय्यर की हालत में सुधार हुआ है। वह अपने साथियों को जवाब दे रहे हैं और फोन पर बात भी कर रहे हैं। सूर्या ने कहा, 'हमने उनसे बात की थी जब हमें उनकी चोट के बारे में पता चला। मैंने उन्हें पहले फोन किया था। फिर मुझे पता चला कि उनके पास फोन नहीं था। फिर मैंने फिजियो कमलेश को फोन किया। उन्होंने मुझे बताया कि वह स्थिर हैं। हम दो दिनों से बात कर रहे हैं। वह जवाब दे रहे हैं। अगर वह फोन पर जवाब दे रहे हैं तो इसका मतलब है कि वह स्थिर हैं।' चोट लगने के बाद श्रेयस अय्यर को तुरंत अस्पताल ले जाया गया था। उनकी तिल्ली में चोट लगने के कारण इंटरनल ब्लिडिंग हो रही थी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के अनुसार श्रेयस अय्यर को पूरी तरह फिट होकर मैदान पर लौटने में 6 से 8 हफ्तों का समय लग सकता है।

पहले टी20 के लिए भारतीय टीम का ऐलान, सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज बाहर, हर्षित राणा अंदर

एजेंसी कैनबरा

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टी20 आज यानी 29 अक्तूबर को कैनबरा के मानुका ओवल स्टेडियम में खेला जा रहा है। एक बार फिर भारतीय टीम ने टॉस हारा। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। लेकिन, इससे भारतीय टीम को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के वक्त बताया कि वह पहले बैटिंग करना ही चाहते थे। वहीं टॉस के वक्त सूर्या ने भारत की प्लेइंग 11 के बारे में भी बताया। टी20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज अर्शदीप सिंह को प्लेइंग 11 में शामिल नहीं किया गया है। बता दें कि अर्शदीप के नाम टी20 में भारत के लिए 101 विकेट हैं। लेकिन, प्लेइंग कॉम्बिनेशन के चलते उनको टीम में शामिल नहीं किया गया। इसके अलावा जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर और रिंकू सिंह को भी प्लेइंग 11 शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा नीतीश कुमार

रेड्डी चोटिल होने की वजह से शुरुआती 3 टी20 मैचों से बाहर हो गए हैं। वनडे सीरीज में बल्ले से दमखम दिखाने के बाद हर्षित राणा को पहले टी20 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बतौर ऑलराउंडर खिलाया जा रहा है। वह नीतीश रेड्डी की जगह खेल रहे हैं। हर्षित ने वनडे सीरीज में बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम पहले टी20 में 3 स्पिनर्स के साथ उतरा है। वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल तीनों ही यह मुकाबला खेल रहे हैं। तीनों ही क्वालिटी स्पिनर्स हैं और ऑस्ट्रेलिया को परेशान कर सकते हैं।

भारत-अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह।

ऑस्ट्रेलिया- मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), टिम डेविड, मिचेल ओवेन, मार्कस स्टोइनिस, जोश फिलिप, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मैथ्यू कुहनेमैन और जोश हेजलवुड।

व्यापार

2 महीने में 230000000000 की कमाई... सरकारी बैंकों ने कर दिया कमाल, क्या शुरू हुई बुल मार्केट

एजेंसी नई दिल्ली

देश के सरकारी यानी पीएसयू बैंक शेयरों ने इस साल कमाल कर दिया है। सिर्फ दो महीनों में इनकी मार्केट कैप में 2.3 लाख करोड़ रुपये का भारी इजाफा हुआ है। इस जोरदार तेजी ने शेयर बाजार में एक नई बहस छेड़ दी है कि क्या यह सिर्फ एक छोटी अवधि का दांव है या सरकारी बैंकों के लिए एक नए बुल मार्केट (तेजी का दौर) की शुरुआत है? Nifty PSU Bank Index अगस्त से अब तक करीब 20% चढ़ चुका है। इसने 52 हफ्ते का नया उच्चतम स्तर छुआ है और मार्च के निचले स्तरों से तो यह 46% तक उछल चुका है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार सभी सरकारी बैंकों की कुल मार्केट कैप अब करीब 18 लाख करोड़ रुपये हो गई है। यह दिखाता है कि इन बैंकों की फंडामेंटल्स सुधर रही है, सरकार की नीतियां इनके पक्ष में हैं और विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी भी बढ़ रही है। इस तेजी में सबसे आगे इंडियन बैंक रहा है, जिसने सिर्फ दो महीनों में 26% का शानदार रिटर्न दिया है। बैंक

ऑफ इंडिया और केनरा बैंक भी 20% से ज्यादा चढ़े हैं। वहीं SBI, PNB और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे बड़े बैंक 14 से 16% तक बढ़े हैं। यह सब तब हुआ है जब बाकी शेयर बाजार में थोड़ी नरमी बनी हुई है। इस तरह पीएसयू बैंकों ने साल 2025 ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगर सरकार विदेशी संस्थागत निवेश (FII) की सीमा को मौजूदा 20% से बढ़ाकर 49% कर देती है तो भारत के सरकारी बैंकों को 4 अरब डॉलर तक का पैसिव इनफ्लो (निवेश का एक तरीका) मिल सकता है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज (Nuvama Institutional Equities) नाम की ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि अगर इस खबर में कोई सच्चाई है तो ऐसे भारी निवेश की उम्मीद में पीएसयू बैंक आसानी से 20 से 30% तक बढ़ सकते हैं। नुवामा के विश्लेषण से पता चलता है कि अगर यह सीमा बढ़ाई जाती है, तो MSCI इंडेक्स से जुड़े करीब 4 अरब डॉलर का निवेश छह बड़े सरकारी बैंकों में आ सकता है। इन बैंकों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI), बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक (PNB), केनरा बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक शामिल हैं।

880000000000 पर नजर, पाकिस्तान-बांग्लादेश आए करीब तो भारत ने कसी कमर

एजेंसी नई दिल्ली

भारत ने व्यापार से जुड़ी कई गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान और बांग्लादेश पर बैन लगाया है। इसके बाद ये दोनों देश एक दूसरे के करीब आ गए हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश ने सोमवार को ढाका में अपनी संयुक्त आर्थिक आयोग (JEC) की बैठक की थी। यह बैठक 20 साल बाद हुई है। सूत्रों के मुताबिक दोनों देशों ने व्यापार, कृषि, IT, खाद्य, ऊर्जा, दवा और कनेक्टिविटी जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। वहीं दूसरी ओर भारत वैश्विक टेक्सटाइल बाजार में अपनी कीमत की पकड़ फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बांग्लादेश, वियतनाम और चीन जैसे देश अब ज्यादा प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। सरकार एक ऐसी योजना बना रही है जिससे प्रोडक्शन की लागत कम की जा सके। भारत का यह कदम बांग्लादेश को जोड़कर भी देखा जा रहा है। चूंकि बांग्लादेश टेक्सटाइल सेक्टर में दुनिया में टॉप पॉजिशन पर है। अब बांग्लादेश पाकिस्तान के करीब भी आ गया है। वहीं बांग्लादेश और पाकिस्तान पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने

भारत के मुकाबले बहुत कम टैरिफ लगाया है। ऐसे में भारत अपने टेक्सटाइल सेक्टर को बचाने और उसे बढ़ाने के लिए ये कदम उठा रहा है। बांग्लादेश के पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के दौरान दोनों देशों के रिश्ते ज्यादा अच्छे नहीं रहे। इसलिए ढाका ने पिछले दो दशकों से इस आयोग की बैठक नहीं बुलाई थी। पिछले दस सालों में बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पाकिस्तान से काफी आगे निकल गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान की धीमी आर्थिक वृद्धि के कारण, अब उसके पास ढाका को देने के लिए ज्यादा आर्थिक फायदे नहीं हैं। टेक्सटाइल सेक्टर से जुड़ी भारत की यह योजना कई चरणों में लागू होगी। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार पहले दो साल के लिए एक छोटी अवधि की योजना होगी, फिर पांच साल के लिए एक मध्यम अवधि की योजना और उसके बाद एक लंबी अवधि की योजना। इस योजना में कच्चे माल, मजदूरों से जुड़े नियम, टैक्स और दूसरे जरूरी नियमों जैसी सभी बड़ी लागतों पर गौर किया जाएगा। इसका मकसद उत्पादन और निर्यात को सस्ता बनाना है। इस नई योजना से साल 2030 तक टेक्सटाइल निर्यात को मौजूदा लगभग 40 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर (करीब 8.80 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंचाने की उम्मीद है। इस काम से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि इस योजना का लक्ष्य यह पता लगाना है कि भारत की लागत अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में कहां ज्यादा है और उन कमियों को दूर करना है। एक अधिकारी ने बताया, 'हमारा मकसद भारत की लागत की तुलना दुनिया के मुख्य प्रतिस्पर्धियों से करना है और उत्पादन व निर्यात की लागत कम करने के साथ-साथ मैन्युफैक्चरिंग में होने वाली बर्बादी को भी घटाने के उपायों पर काम करना है।'

भारत की जीडीपी पर भारी अमेरिका की एनवीडिया, मार्केट कैप $5 ट्रिलियन के पार

एजेंसी नई दिल्ली

एआई चिप बनाने वाली अमेरिका की कंपनी एनवीडिया ने इतिहास रच दिया है। मंगलवार को कारोबार के दौरान कंपनी का मार्केट कैप 5 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया। एनवीडिया यह मुकाम हासिल करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। कंपनी का मार्केट कैप भारत की जीडीपी (4.19 ट्रिलियन डॉलर) से ज्यादा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान से एनवीडिया के शेयरों में 5% से अधिक तेजी आई और इसका मार्केट कैप 300 अरब डॉलर बढ़ गया। ट्रंप का कहना है कि वह चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ इस हफ्ते होने वाली मीटिंग में एनवीडिया के ब्लैकवेल चिप के बारे में बात करेंगे। उन्होंने कहा कि एनवीडिया के सीईओ और फाउंडर जेंसन हुआंग ने ओवल ऑफिस में उन्हें ब्लैकवेल चिप भेंट की थी। इससे कंपनी के शेयरों में काफी तेजी आई और पहली बार इसकी कीमत 200 डॉलर के पार पहुंच गई। एसएंडपी 500 भी इतिहास में पहली बार 6,900 अंक के पार पहुंच गया। अप्रैल 2025 के निचले स्तर से इसका मार्केट कैप 18 ट्रिलियन डॉलर बढ़ चुका है। एनवीडिया फिलहाल 4.894 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूबल कंपनी है। माइक्रोसॉफ्ट 4.029 ट्रिलियन डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर है। मंगलवार को कंपनी के शेयरों में करीब दो फीसदी तेजी आई। इस लिस्ट में आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल 3.992 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ तीसरे नंबर पर है। गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट 3.239 ट्रिलियन डॉलर के साथ चौथे, ऐमजॉन ($2.444 ट्रिलियन) पांचवें, मेटा प्लेटफॉर्म्स ($1.887 ट्रिलियन) छठे, ब्रॉडकॉम ($1.761 ट्रिलियन) सातवें, सऊदी अरामको ($1.669 ट्रिलियन) आठवें, टीएसएमसी ($1.563 ट्रिलियन) नौवें और टेस्ला ($1.531 ट्रिलियन) दसवें नंबर पर है।

धन प्राप्ति के लिए हल्दी के उपाय, एक भी कर लेंगे तो लक्ष्मीनारायण की कृपा धन से भर जाएगी आपकी झोली

हिंदू धर्म में गुरुवार के दिन का खास महत्व होता है। सप्ताह का यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है। ऐसे में जातक विधि-विधान से विष्णुजी की पूजा करते हैं और व्रत भी रखते हैं। इससे बहुत शुभ फल की प्राप्ति होती है। वहीं, गुरुवार के दिन पीले रंग का खास महत्व होता है। ऐसे में अगर आप इस दिन हल्दी से जुड़े कुछ विशेष उपाय कर लें तो इससे धन संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है और आर्थिक बाधाएं भी दूर हो सकती हैं। श्रद्धापूर्वक विष्णुजी की पूजा करने के साथ-साथ हल्दी के उपाय आजमाने से लक्ष्मीनारायण की कृपा प्राप्त होती है और धन में वृद्धि के योग बनेंगे। तो आइए विस्तार से जानें गुरुवार को हल्दी के उपाय...

अगर आप धन संबंधी समस्या का सामना कर रहे हैं तो गुरुवार को एक छोटा सा उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करें और उन्हें हल्दी की गांठ अर्पित करें। आरती करने के बाद हल्दी को उठाकर अपने घर की तिजोरी में रख दें। इसके अलावा, धन रखने वाले स्थान पर भी आप हल्दी की गांठ रख सकते हैं। ऐसा करने से जातक को पैसों की तंगी से निजात मिल सकता है। साथ ही, घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगती है।

गुरुवार के दिन सुबह के समय आप एक आसान उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए सवेरे जल्दी उठकर स्नानादि करें और भगवान विष्णु के साथ-साथ लक्ष्मी मां की भी विधि-विधान से पूजा करें। अब एक लोटा जल में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर तुलसी के पौधे पर अर्पित करें। इस उपाय को गुरुवार के दिन करने से धन की देवी और विष्णुजी की विशेष कृपा प्राप्त होती है क्योंकि, तुलसी के पौधे में माता लक्ष्मी का वास माना गया है और हल्दी का सीधा संबंध विष्णुजी से होता है। यह उपाय करने से जातक की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है और धन-दौलत में वृद्धि के योग बनते हैं।

अगर आपका धन लंबे समय से कहीं अटका हुआ है या धन प्राप्ति में बार-बार बाधाओं का सामना कर रहे हैं, तो गुरुवार को सरल उपाय करके देख सकते हैं। इसके लिए सुबह के समय भगवान विष्णु की पूजा करते समय थोड़े से चावल लेकर उन्हें हल्दी से पीला कर लें। इसके बाद, एक लाल या पीले रंग के सफेद वस्त्र में चावल और हल्दी को बांधकर पोटली बना लें। इस पोटली को मंदिर में रखें और शाम की पूजा के बाद पोटली उठाकर अपने पर्स में रख लें। इस उपाय को करने से जातक को अटका हुआ धन वापस मिल सकता है। साथ ही, धन प्राप्ति में आ रही बाधाएं भी दूर हो सकती हैं।

धन प्राप्ति के लिए आप गुरुवार को कौड़ी और हल्दी से जुड़ा सरल उपाय कर सकते हैं। इसके लिए पूजा के वक्त 7 या 11 पीली कौड़ियों के साथ हल्दी की गांठ को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को अर्पित कर दें। इसके बाद, विधि-विधान से पूजा और आरती करें। अब कौड़ी और हल्दी को उठाकर एक लाल या पीले रंग के वस्त्र में बांध लें। इस पोटली को अपनी तिजोरी या धन रखने वाले स्थान पर रखें। इससे गरीबी से राहत मिल सकती है और करियर में भी ग्रोथ मिलती है। साथ ही, कारोबार में भी धन लाभ के योग बनने लगते हैं।

इन जन्मतिथि वाले बनते हैं अचानक से अमीर, राहु ग्रह की कृपा से शेयर बाजार, सट्टा और लॉटरी में होता है धनलाभ

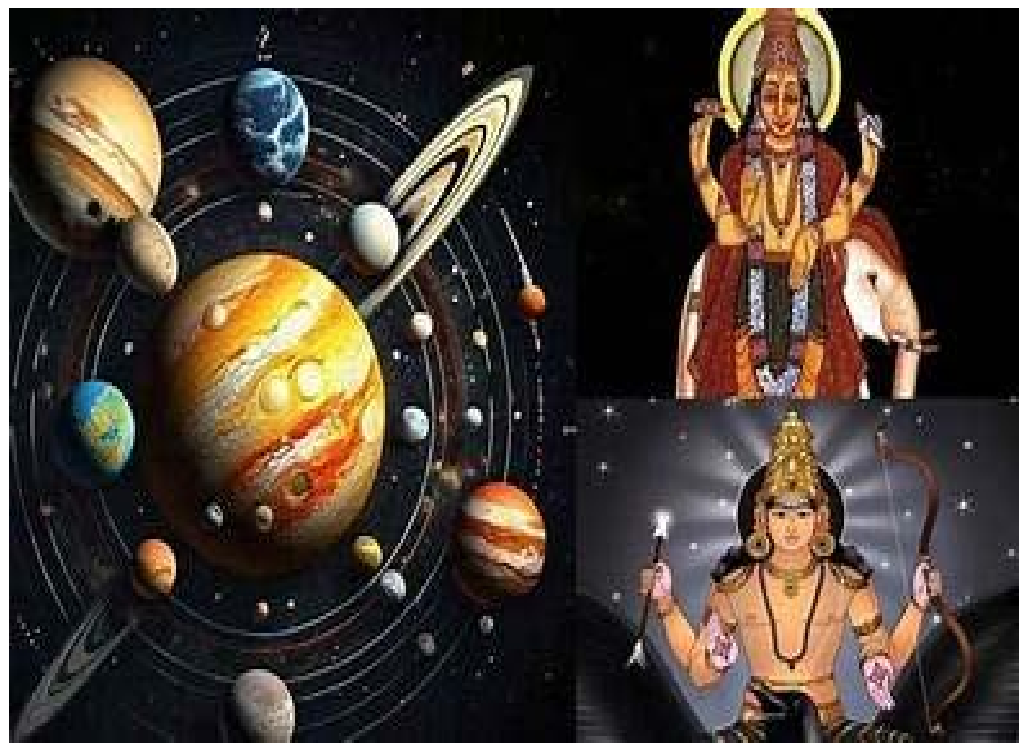

वैदिक ज्योतिष में राहु ग्रह को कठोर वाणी, जुआ, यात्राएं, चोरी, दुष्ट कर्म, त्वचा के रोग, धार्मिक यात्राएं आदि का कारक कहते हैं। वहीं राहु ग्रह का 4 नंबर पर स्वामित्व होता है। मतलब जिन व्यक्तियों का जन्म किसी महीने की 4, 13, 22 या 31 तारीख को हुआ हो तो इन लोगों का मूलांक 4 बनता है। इस मूलांक के लोग क्रिएटिव और दूरदर्शी होते हैं। साथ ही ये लोग राजनीति में सफल होते हैं। वहीं ये लोग शेयर बाजार, सट्टा और लॉटरी में अच्छा धनलाभ कमाते हैं। आइए जानते हैं इस मूलांक वालों के बारे में खास बातें

अंक शास्त्र अनुसार जिन लोगों का मूलांक 4 होता है वो लोग बहुत ही प्रैक्टिकल होते हैं। ये थोड़े से कम इमोशनल होते हैं। साथ ही ये लोग क्रिएटिव भी होते हैं। वहीं ये लोग वैज्ञानिक या फिर अच्छे राजनीतिज्ञ हो सकते हैं। खास बात ये है कि ये लोग हर विषय की अच्छी जानकारी रखते हैं। ये थोड़े मनमौजी स्वभाव के होते हैं। वहीं ये लोग हर कार्य को समय पर पूरा करते हैं। मूलांक 4 वाले जातक सभी काम बहुत ही योजनाएं बनाकर करते हैं। इसलिए कई बार राहु इन्हें बहुत सारा पैसा भी दिलाता है। वहीं इस मूलांक वाले लोग हर चीज को अपने हिसाब से सोचते हैं। दूसरों की बातों को न तो समझते हैं न ही उनकी बात सुनते हैं। यदि लोग इनको कोई सलाह भी दें तो यह सलाह सुनना पसंद नहीं करते हैं। साथ ही ये लोग थोड़ा अकेला रहना पसंद करते है। लेकिन जब ये महफिल में बैठते हैं तो फिर रंग भी जमा देते हैं। ये मनमौजी स्वभाव के होते हैं। मूलांक 7 केतु से जुड़ा है। इसलिए मूलांक 4 वालों की मूलांक 7 वालों से अच्छी बनती है। वहीं मूलांक 4 वालों की मूलांक 2 और मूलांक 8 वालों के साथ ज्यादा नहीं बनती है।

सनातन धर्म में विशेष महत्व, देवोत्थनी एकादशी से खुलेंगे विवाह के बंद द्वार

कार्तिक शुक्ल एकादशी को देवोत्थनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार, इस दिन से विवाह, गृह प्रवेश तथा अन्य सभी प्रकार के मांगलिक कार्य आरंभ हो जाते हैं। एक पौराणिक कथा के अनुसार भगवान विष्णु ने भाद्रपद मास की शुक्ल एकादशी को महापराक्रमी शंखासुर नामक राक्षस को लम्बे युद्ध के बाद समाप्त किया था और थकावट दूर करने के लिए क्षीरसागर में जाकर सो गए थे और चार मास पश्चात फिर जब वे उठे तो वह दिन देवोत्थनी एकादशी कहलाया। इस दिन भगवान विष्णु का सपत्नीक आह्वान कर विधि विधान से पूजन करना चाहिए। इस दिन उपवास करने का विशेष महत्व है। इस एकादशी को तुलसी एकादश भी कहा जाता है। तुलसी को साक्षात लक्ष्मी का निवास माना जाता है इसलिए कहा जाता है कि जो भी इस मास में तुलसी के समक्ष दीप जलाता है उसे अत्यन्त लाभ होता है। इस दिन तुलसी विवाह का भी आयोजन किया जाता है। तुलसी जी का विवाह शालिग्राम से कराया जाता है। मान्यता है कि इस प्रकार के आयोजन से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। तुलसी शालिग्राम का विवाह करने से वही पु.य प्राप्त होता है जो मातापिता अपनी पुत्री का कन्यादान करके पाते हैं। इस आयोजन की विशेषता यह होती है कि विवाह में जो रीतिरिवाज होते हैं उसी तरह तुलसी विवाह के सभी कार्य किए जाते हैं साथ ही विवाह से संबंधित मंगल गीत भी गाए जाते हैं। सनातन धर्म में देवोत्थनी एकादशी का महत्व सबसे अधिक है। इस दिन लाखों श्रद्धालु व्रत रखते हैं और तुलसी विवाह में शामिल होते हैं। पुराणों के अनुसार, स्वर्ग में भगवान विष्णु के साथ लक्ष्मीजी का जो महत्व है वही धरती पर तुलसी का है। इसी के चलते भगवान को जो व्यक्ति तुलसी अर्पित करता है उससे वह अति प्रसन्न होते हैं। बद्रीनाथ धाम में तो यात्रा मौसम के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा तुलसी की करीब दस हजार मालाएं रोज चढ़ाई जाती हैं। जिस गमले में तुलसी का पौधा लगा है उसे गेरु आदि से सजाकर उसके चारों ओर मंडप बनाकर उसके ऊपर सुहाग की प्रतीक चुनरी को ओढ़ा दें। इसके अलावा गमले को भी साड़ी में लपेट दें और उसका श्रृंगार करें। इसके बाद सिद्धिविनायक श्रीगणेश सहित सभी देवीदेवताओं और श्री शालिग्रामजी का विधिवत पूजन करें। एक नारियल दक्षिणा के साथ टीका के रूप में रखें और भगवान शालिग्राम की मूर्ति का सिंहासन हाथ में लेकर तुलसीजी की सात परिक्रमा कराएं। इसके बाद आरती करें। भगवान श्रीकृष्ण की पत्नी सत्यभामा को अपने रूप पर बड़ा गर्व था। वे सोचती थीं कि रूपवती होने के कारण ही श्रीकृष्ण उनसे अधिक स्नेह रखते हैं। एक दिन जब नारदजी उधर गए तो सत्यभामा ने कहा कि आप मुझे आशीर्वाद दीजिए कि अगले जन्म में भी भगवान श्रीकृष्ण ही मुझे पति रूप में प्राप्त हों। नारदजी बोले, 'नियम यह है कि यदि कोई व्यक्ति अपनी प्रिय वस्तु इस जन्म में दान करे तो वह उसे अगले जन्म में प्राप्त होगी। अतः तुम भी श्रीकृष्ण को दान रूप में मुझे दे दो तो वे अगले जन्मों में जरूर मिलेंगे।' सत्यभामा ने श्रीकृष्ण को नारदजी को दान रूप में दे दिया। जब नारदजी उन्हें ले जाने लगे तो अन्य रानियों ने उन्हें रोक लिया। इस पर नारदजी बोले, 'यदि श्रीकृष्ण के बराबर सोना व रत्न दे दो तो हम इन्हें छोड़ देंगे।' तब तराजू के एक पलड़े में श्रीकृष्ण बैठे तथा दूसरे पलड़े में सभी रानियां अपनेअपने आभूषण चढ़ाने लगीं, पर पलड़ा टस से मस नहीं हुआ। यह देख सत्यभामा ने कहा, यदि मैंने इन्हें दान किया है तो उबार भी लूंगी। यह कह कर उन्होंने अपने सारे आभूषण चढ़ा दिए, पर पलड़ा नहीं हिला। वे बड़ी लज्जित हुईं। सारा समाचार जब रुक्मिणी जी ने सुना तो वे तुलसी पूजन करके उसकी पत्ती ले आईं। उस पत्ती को पलड़े पर रखते ही तुला का वजन बराबर हो गया। नारद तुलसी दल लेकर स्वर्ग को चले गए। रुक्मिणी श्रीकृष्ण की पटरानी थीं।

आर्थिक राशिफल : उभयचरी योग बदल देगा मेष, मिथुन और सिंह का भाग्य, इन राशियों को रहना होगा सावधान

मेष राशि आज का दिन मेष राशि के जातकों के लिए चुनौती पूर्ण रहने वाला है। हालांकि आप अपने साहस और कार्यकुशलता के कारण हालात पर नियंत्रण बना लेंगे। मकर राशि में चन्द्रमा आपके ऊपर जिम्मेदारियां खड़ी करेगा। हालांकि मंगल आपके स्वामी ग्रह होने के कारण आप ऊर्जा और पराक्रम से भरपूर रहेंगे। पारिवारिक और सामाजिक उत्तर दायित्वों को पूरा करने का समय आपको मिलेगा। सहकर्मियों से सामंजस्य बनाए रखें। आपकी मेहनत और नेतृत्व क्षमता आज सबके सामने चमकेगी।

वृषभ राशि वालों के लिए आज का दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। राशि स्वामी शुक्र पंचम भाव में स्थित होकर आपको रचनात्मकता और बुद्धिमत्ता का वरदान देगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग अपने प्रतिद्वंदियों को पीछे छोड़ देंगे। विद्यार्थियों को परीक्षा या प्रतियोगिता में सफलता मिलने की प्रबल संभावना है। कोई नए कार्य की शुरुआत करने के लिए ग्रहों की स्थिति आपके लिए अनुकूल नहीं है। कार्यों को समय पर पूरा करें।

आज मिथुन राशि वालों के लिए सामान्य लेकिन फलदायी दिन रहेगा। राशि स्वामी बुध षष्ठम भाव में केतु के साथ विराजमान हैं, जो आपको बौद्धिक और व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता दिलाएंगे। नौकरीपेशा वर्ग को कार्य स्थल पर प्रशंसा मिल सकती है। यह समय व्यापारियों के लिए लाभकारी रहने वाला है। परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा। संतान पक्ष की ओर से कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। भाग्य का सहयोग मिलने से कार्य तेजी से पूरे होंगे।

कर्क राशि आज का दिन कर्क राशि वालों के लिए शुभ रहने वाला है। धार्मिक और शुभ कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। अभी लिया गया कोई महत्वपूर्ण निर्णय आगे चलकर लाभ देगा। मकर राशि में चंद्रमा के गोचर से कुछ विरोधी सक्रिय हो सकते हैं। जाति या श्रेणी से हीन कोई व्यक्ति अनावश्यक बाधा डाल सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ने से नए संबंध बनेंगे। संतान पक्ष के विवाह संबंधी अड़चनें दूर होती दिख रही हैं। साझेदारी के काया हुआ कार्य सफलता दिलाएगा।

सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन सौभाग्यशाली रहने वाला है। कार्यक्षेत्र से लेकर निजी जीवन तक हर क्षेत्र में भाग्य आपका सहयोग करेगा। विरोधियों की आपके खिलाफ साजिश असफल होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होती दिख रही है और किसी महत्वपूर्ण वस्तु की खरीददारी भी संभव है। लंबे समय से चले आ रहे किसी विवाद का समाधान आज निकल सकता है। नए लोगों से मुलाकात होगी, जो भविष्य में आपके लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। कार्य में निरंतरता रखें और निर्णय सोच-समझकर लें।

कन्या राशि वालों के लिए आज का दिन सफलताओं से भरा रहेगा। राशि स्वामी बुध अपने ही घर तीसरे पराक्रम भाव में स्थित हैं, जिससे आपके साहस और कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। बड़े-बुजुर्गों की सेवा और धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापारियों के लिए यह समय सौदेबाजी में लाभ का संकेत दे रहा है। प्रतिद्वंद्वी आपकी प्रगति देखकर परेशान रहेंगे।

तुला राशि वालों के लिए आज का दिन चुनौतियों से भरा रहेगा। राशि स्वामी शुक्र द्वादश भाव में और राहु षष्ठम भाव में विराजमान हैं। ऐसे में अत्यधिक परिश्रम के बावजूद आय अपेक्षा से कम हो सकती है। इस दौरान खर्चों में अचानक बढ़ोतरी से आर्थिक चिंता बढ़ेगी। गुप्त शत्रु आपके कार्यों में बाधा डालने की कोशिश करेंगे। पारिवारिक जीवन में तनाव की स्थिति बन सकती है। धैर्य और संयम अवश्य रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। सूर्यास्त के बाद स्थितियों में सुधार शुरू होगा और राहत महसूस होगी। आज महत्वपूर्ण निर्णय लेने से बचना बेहतर होगा।

वृश्चिक राशि वालों के लिए आज का दिन महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने वाला रहेगा। आपकी राशि पर शनि का योग और मकर राशि के चन्द्रमा का प्रभाव आपको ताजगी और ऊर्जा प्रदान करेगा। हालांकि इस दौरान चुनौतियां भी सामने आएंगी। व्यावसायिक क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण अनुबंध आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है। इस दौरान कुछ लोग आपकी नेतृत्व क्षमता को चुनौती देने की कोशिश कर सकते हैं। आप अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति से उन्हें मात दे देंगे।

धनु राशि के जातकों के लिए आज का दिन अत्यंत शुभ संकेत दे रहा है। राशि स्वामी बृहस्पति मिथुन में विराजमान हैं और चन्द्रमा धन भाव में संचार कर रहा है। इससे आर्थिक लाभ और समृद्धि के योग बन रहे हैं। राज्य से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी और सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। परिवार में खुशहाली और सौहार्द का वातावरण रहेगा। जीवनसाथी से आपको आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा और शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी।

मकर राशि वालों के लिए आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। राशि स्वामी शनि तीसरे भाव में स्थित हैं, जो परिश्रम से सफलता का संकेत दे रहा है। हालांकि चन्द्रमा द्वादश भाव में होने से अचानक कुछ खर्च सामने आ सकते हैं। आज प्रभावशाली व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त हो सकता है। भूमि या संपत्ति से जुड़े पुराने विवाद सुलझ सकते हैं। नौकरी और व्यापार में नए अवसर प्राप्त होंगे। सायंकाल स्वास्थ्य में कुछ गिरावट महसूस हो सकती है।

कुंभ राशि वालों के लिए आज का दिन आत्मविश्वास और सफलता से भरा रहेगा। शनि आपकी ही राशि में प्रथम भाव में स्थित हैं, जिससे आपके कार्यों में स्थिरता आएगी। भाग्य का मजबूत साथ मिलेगा और रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे। कहीं से पूर्व में दिया गया धन वापस मिलने की संभावना है। किसी वृद्ध महिला का आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है। पारिवारिक विवाद आज समाप्त हो सकते हैं।

मीन राशि के लिए आज का दिन उत्कृष्ट परिणाम देने वाला है। राशि स्वामी बृहस्पति चतुर्थ भाव में होने से सुख और सम्मान में वृद्धि होगी। मकर राशि में गोचर कर रहा चन्द्रमा दशम भाव को सक्रिय कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप कार्यक्षेत्र में उन्नति के अवसर बढ़ेंगे। आय के नए स्रोत सामने आएंगे। इस दौरान आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रतियोगिताओं में सफलता और व्यवसाय में लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे और आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कार्तिक पूर्णिमा पर दान- स्नान का शुभ मुहूर्त और धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में कार्तिक पूर्णिमा का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना होती है। मान्यता के अनुसार, इस दिन श्रीहरि की उपासना करने से साधक को जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होती है। साथ ही हर मनोकामना पूर्ण होती है। इस दिन गंगा स्नान करने के बाद अन्न-धन समेत आदि चीजों का दान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। वहीं आपको बता दें कि इस दिन देव दिवाली का पर्व भी मनाया जाता है। इस साल कार्तिक पूर्णिमा 5 नबंवर में मानाया जाएगा। वहीं इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं ज्योतिष पंचांग के मुताबिक इस साल कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि 04 नवंबर 2025 को प्रातःकाल 10:36 बजे से प्रारंभ होकर अगले दिन 05 नवंबर 2025 को सायंकाल 06:48 बजे तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार इस साल कार्तिक पूर्णिमा का

पावन पर्व 05 नवंबर 2025 को मनाया जाएगा।

कार्तिक पूर्णिमा पर दान- स्नान का शुभ मुहूर्त

इस दिन स्नान-दान के लिए सबसे उत्तम मुहूर्त प्रातःकाल 04:51 बजे से लेकर 05:43 बजे तक रहेगा।

कार्तिक पूर्णिमा के मंत्रॐ सों सोमाय नमः।
ॐ विष्णवे नमः।
ॐ कार्तिकेय नमः।
ॐ वृंदाय नमः।
ॐ केशवाय नमः।

कार्तिक पूर्णमा का महत्व- इस दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा करने से सुख- समृद्धि की प्राप्ति होती है। साथ ही इस महीने में की गई भक्ति-आराधना का पुण्य कई जन्मों तक बना रहता है। इस महीने में किए गए दान, स्नान, यज्ञ, उपासना से श्रद्धालु को शुभ फल प्राप्त होते हैं। इस दिन पूजा के दौरान मां लक्ष्मी के मंत्रों का जप और श्री सूक्त का पाठ करना बहुत ही शुभ माना जाता है।

एक साथ छिंदवाड़ा की चार बसों के फोड़े कांच तेज रफ्तार में भक्ति है गाड़ी

6 बाइकरो का बगडोना में आतंक रात 11:30 बजे के बाद निकलती है बाइक सड़कों पर

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

महानगरों की तरह महावीर स्वामी वार्ड क्रमांक 36 के मुख्य सड़कों पर 6 बाइक चलाने वाले युवकों का आतंक लगातार रात में बढ़ता जा रहा है।बताया जाता है कि 6 बाइक संचालक रात में 11:30 बजे निकलते हैं और मुख्य सड़कों पर तेज गति से वाहन चलाकर स्टैंड करने का काम करते हैं जिससे भविष्य में बड़ी दुर्घटना होने की संभावना से नजर अंदाज नहीं किया जाता किया जा सकता इस तरह की घटना की पुर्नवृत्ति ना हो इसे देखते हुए बजरंग दल जिला सह मंत्री लक्ष्मीकांत पांडे के माध्यम से सूचनार्थ शिकायत पाथाखेड़ा पुलिस को देने का काम किया जा चुका है,उन्होंने बताया कि रात 11:40 पर छिंदवाड़ा जिले की चार बसें अलग-अलग स्थान पर खड़ी थी और इसी बीच एक समय पर इन बाइक चालकों के माध्यम से छिंदवाड़ा जिले की इन चार बसों के कांच को फोड़ने का काम किया जिसमें एमपी 28 पी-0270,एमपी 28पी-0452 क्रमांक बस शामिल है।जबकि दो बसों का नंबर हमें उपलब्ध नहीं हो पाया है। बजरंग दल जिला सह मंत्री लक्ष्मीकांत पांडे ने बताया कि कई बार तेज गति में बाइक चलाने वाले युवक दिन में तो कभी 7 से 8 बजे बड़ी आसानी से बगडोना के स्वागत द्वार से हवाई पट्टी के बीच देखे जा सकते हैं ऐसा नहीं कि इसकी जानकारी संपूर्ण क्षेत्र के व्यापारियों को ना हो लेकिन व्यापारी अनावश्यक विवाद की स्थिति में उलझना नहीं चाहते जिसकी वजह से लगातार इन बाइक ग्रुप संचालन का आतंक बगडोना में बढ़ते जा रहा है आज इन्होंने छिंदवाड़ा जिले के मिगलानी कंपनी की बस का कांच फोड़ा है आने वाले समय में घर के सामने निजी दोपहिया चार पहिया गाड़ियों के कांच को नुकसान पहुंचाने का काम करेंगे उससे पहले स्थानिक पुलिस प्रशासन को इन पर अंकुश लगाना चाहिए उन्होंने बताया कि इस गंभीर विषय को लेकर बजरंग दल का एक प्रतिनिधि मंडल जल्दी ही पुलिस अधीक्षक से मुलाकात करके बगडोना में हाई सिक्योरिटी कैमरा और पुलिस सहायता केंद्र खोले जाने की मांग करेगा उन्होंने बताया कि लंबे समय से बगडोना में पुलिस सहायता केंद्र खोले जाने की मांग लंबीत है नए पुलिस अधीक्षक अपराध पर अंकुश लगाने में अति संवेदनशील है इसे मुलाकात करने के बाद बगडोना के हालत में सुधार होने की संभावना व्यक्ति की जा रही है वर्तमान समय में कॉलेज गेट के समीप सबसे ज्यादा बाइक और भीड़ खड़ी रहती है जिससे तीतर भीतर करने में स्थानीय पुलिस प्रशासन विफल साबित होती है व्यापारियों के माध्यम से शिकायत करने के बाद भी यातायात व्यवस्था दुरुस्त नहीं हो पाई है। ऊपर से बाइक गिरोह का आतंक रात के समय में लगातार बढ़ता जा रहा है जिसकी वजह से व्यापारी अपनी दुकान के सामने भी रात में खड़ा रहना उचित नहीं समझ रहे हैं।

पहली बार तीन कलाकार एक मंच पर होंगे उपस्थित

30 अक्टूबर को कोयलांचल क्षेत्र पाथाखेड़ा में होगा भव्य जगराता

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

कोयलांचल क्षेत्र पाथाखेड़ा के हॉस्पिटल कॉलोनी बाजार मोहल्ला में 30 अक्टूबर को रात 9 बजे से ओम म्यूजिक जॉन म्यूजिक ग्रुप के माध्यम से विशाल जगराता का आयोजन किया जाएगा। मुकेश सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन दक्षिणेश्वरी काली समिति पाथाखेड़ा के माध्यम से किया जा रहा है जिसमें विशेष झांकी एस आर ट्रांस ग्रुप के माध्यम से प्रस्तुत करने का काम किया जाएगा। श्री सोनी ने बताया कि इस जगराते में नागपुर से संदीप करोसिया, छिंदवाड़ा जिले से आकाश नामदेव और जबलपुर से वंदना साहू अपनी शानदार प्रस्तुति देने के लिए पाथाखेड़ा में आ रहे हैं उन्होंने यह भी बताएं कि यह तीनों कलाकारों के माध्यम से एक से बढ़कर एक देवी गीत की प्रस्तुति देने का काम किया जा चुका है। क्षेत्र में पहली बार नागपुर, छिंदवाड़ा और जबलपुर के तीनों बड़े कलाकारों को एक मंच पर लाकर ओम म्यूजिकल जान म्यूजिक ग्रुप के तत्वाधान में विशाल जगराता का कार्यक्रम 30 अक्टूबर को किया जा रहा है, उन्होंने कोयलांचल क्षेत्र पाथाखेड़ा के 16 वार्डों में रहने वाले सभी धर्म प्रेमियों से अपील की है कि इस विशाल जगराता में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर दक्षिणेश्वरी काली समिति पाथाखेड़ा के माध्यम से आयोजित किए जाने वाले इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे जिससे गयाको का उत्साह वर्धन हो सके। आयोजक समिति के पदाधिकारी ने बताया कि नागपुर के सिंगर संदीप करोशिया के माध्यम से नाच रही है काली अंगना में शानदार फेमस गीत गाकर प्रसिद्धत हासिल की है जबकि छिंदवाड़ा जिले के आकाश नामदेव ने झूला झूलन आ गए कन्हैया गीत से व्याख्याता प्राप्त की है वही जबलपुर की वंदना साहू चली महाकाली मां गीत से प्रसिद्ध हुई है इन सभी सिंगारो को एक धागे में पिरोने का काम ओम प्रधान के माध्यम से किया जा रहा है। कार्यक्रम आयोजकों ने 30 अक्टूबर को रात 9 बजे पाथाखेड़ा के अस्पताल कॉलोनी बाजार मोहल्ले में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी का उत्पादन बुधवार को रहा शुन्य

प्रदेश में बिजली डिमांड नहीं होने से बंद करनी पड़ी दोनों इकाइयां

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

संपूर्ण प्रदेश में ठंड ने दस्तक दे दी है उसके बाद भी प्रदेश मे बिजली की डिमांड नहीं बढ़ पा रही है,जिसे देखते हुए मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के 250-250 मेगावाट की 10 इकाई को 12:40 पर और 11 नंबर इकाई को 1:24 पर बुधवार को बंद करना पड़ा है,इस तरह किसी समय में सारनी में 1642.5 मेगावाट बिजली का उत्पादन करने वाले ताप विद्युत गृह सारनी से बुधवार को उत्पादन शून्य कर दिया गया है।विद्युत प्रवाह के अनुसार 27 अक्टूबर को राज्य की मांग 8,925 मेगावाट बिजली की खपत थी और 28 अक्टूबर को सुबह 05:05 बजे तक यह डिमांड घटकर 8,609 मेगावाट हो गई थी। जबकि 29 अक्टूबर को डिमांड में और कमी आने की वजह से ताप विद्युत गृह सारनी की दो बड़ी इकाई के अलावा सिंगाजी पावर प्लांट की तीन बड़ी इकाइयों को बंद करना पड़ा है। इस तरह सारनी और मुंगी (खंडवा) के पावर प्लांट का उत्पादन शून्य हो गया है। बिजली की डिमांड न बढ़ने के कारण सारनी और खंडवा की इकाई बंद होने के कारण ब्लेक आउट जैसी स्थिति निर्मित हो गई है।अब पश्चिम ग्रेड में बिजली उत्पादन शून्य पर आ जाने के बाद भी कोई असर नहीं पड़ेगा। बताया जाता है कि सतपुड़ा थर्मल पावर प्लांट में बिजली उत्पादन शून्य पर आ जाने के बाद भी अधिकारी,कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। मंडल सूत्रों ने कहा कि प्रदेश में बिजली की डिमांड लगातार कम होने की वजह से सारनी पावर प्लांट से बिजली उत्पादन बंद किया गया है यदि डिमांड बढ़ती है तो इकाइयों से बिजली का उत्पादन शुरू किया जाएगा।

पांच छोटी और चार बड़ी इकाइयों को किया जाएगा जमीन दोष : किसी समय में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी सारनी में बिजली का उत्पादन क्षमता 1642.5 मेगावाट का था जिसमें वर्ष 2014 तक 62.5 मेगावाट की पांच छोटी इकाई जिसकी क्षमता 312.5 मेगावाट थी उसे जमीन दोष कर दिया गया इसके 8 साल बाद 830 मेगावाट की चार बड़ी इकाई 6,7,8 और 9 नंबर को डिस्मेंटल किए जाने की निविदा 342 करोड रुपए में जारी कर दी गई है अब इन चार बड़ी इकाइयों को भी जमीन दोष किया जाएगा। अब ऐसी स्थिति में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की पावर हाउस क्रमांक 5 की 250-250 मेगावाट की 10 और 11 नंबर इकाई से बिजली का उत्पादन किया जा रहा था लेकिन 10 नंबर की इकाई को बुधवार 12:40 पर और 250 मेगावाट की 11 नंबर इकाई को 1:24 पर बंद कर दिया गया है,ऐसी स्थिति में ताप विद्युत गृह सारनी की बिजली उत्पादन की क्षमता शून्य हो गई है।

प्रदेश में बिजली की डिमांड न होने से संकट : प्रदेश में बिजली की खपत ना होने के कारण खंडवा और सारनी की इकाई को बंद कर दिया गया है ऐसे में सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी में आने वाले 660 मेगावाट के सुपर क्रिटिकल इकाई पर भी संकट के बदले छाने के आसार दिखाई देने लगे हैं जब प्रदेश में बिजली की डिमांड ना के बराबर है और डिमांड घटते जा रही है तो ऐसी स्थिति में ताप विद्युत गृह सारनी में 11हजार 687 करोड रुपए की लागत से नई इकाई की स्थापना करना सरकार के लिए सही होगा या गलत या असमंजस की स्थिति में आकर खड़ा हो गया है। जबकि पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में प्रतिदिन बिजली की खपत 40 हजार मेगावाट के आंकड़े को पार करता जा रहा है और मध्यप्रदेश में बिजली खपत सूकडते जा रही है। जो प्रदेश के लिए चिंता का विषय है।

इनका कहना है : सतपुड़ा थर्मल पावर प्लांट में 10 एवं 11 नंबर इकाई से बिजली उत्पादन चल रहा था। जबलपुर मुख्यालय से आदेश मिलते ही बुधवार 10 नंबर इकाई को दोपहर 12,40 बजे एवं 11 नंबर इकाई दोपहर 1,24 बजे बंद करना पड़ा है। बिजली की डिमांड नहीं होने की वजह से सारनी की दो यूनिट एवं सिंगाजी पावर प्लांट की 3 यूनिटों को बंद किया गया है। **-एसएन सिंह,**एडिशनल चीफ इंजीनियर पावर प्लांट सारनी

रवींद्रनाथ टैगोर वार्ड में 2 वर्षों से बैठल रहे हैं मां काली की प्रतिमा

जय मां काली कंकाली सेवा समिति के माध्यम से किया गया विशाल भंडारा

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

कोयलांचल क्षेत्र पाथाखेड़ा के बंद हो चुके पीके वन खदान के कैंटीन वाले क्षेत्र में युवाओं के माध्यम से जय मां काली कंकाली सेवा समिति का गठन करके ड्रिलिंग केम्प(रविंद्र नाथ टैगोर वार्ड) में 2 वर्षों से मां काली की प्रतिमा स्थापित करने का काम किया जा रहा है,समिति के पदाधिकारी ने बताया कि दीपावली के दिन 20 अक्टूबर को मां काली की प्रतिमा स्थापित करके 11 दिनों तक पूजा आराधना करने का काम किया जाएगा 29 अक्टूबर को प्रतिमा स्थल पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया 11वीं दिन 31 अक्टूबर को मां काली की प्रतिमा का विसर्जन करने का काम किया जाएगा क्षेत्र के युवाओं ने बताया कि जन सहयोग से 11 दिनों तक मां काली की प्रतिमा की सेवा आराधना करने का कार्य किया जाता है। रवींद्रनाथ टैगोर वार्ड में रहने वाले युवाओं का मानना है कि 11 दिनों तक मां काली की आराधना सुबह शाम आरती किए जाने में नगर के सभी लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है 28 अक्टूबर को मां काली प्रांगण के समक्ष महा आरती का आयोजन किया गया था जिसमें बड़ी संख्या में महिला युक्ति और बच्चों ने हिस्सा लेने का काम किया था।

जय मां काली कंकाली सेवा समिति के पदाधिकारी ने समस्त ड्रिलिंग केम्प पर निवास करने वाले श्रद्धालुओं से अपील की है कि 31 अक्टूबर को मां भगवती की विदाई करने का काम किया जाएगा इस विदाई समारोह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर युवाओं के उत्साह को वर्धन करने का कार्य करें।

केंद्र सरकार के जीएसटी कम करने पर भी गरीब और मध्यवर्गीय परिवार के साथ कंपनी कर रही छल

तेल की पैकेट पर हो रहा जबरदस्त खेल एक लीटर को आठ सौ ग्राम पर पहुंचा दिया कंपनियों ने

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

जितने भी प्राइवेट एयर नेटवर्किंग कंपनियां है जिस तरह इन कंपनियों ने एक साल में 12 माह होते थे लेकिन इन्होंने 28 दिन करके एक वर्ष में 13 माह कर दिए हैं। ठीक इसी तर्ज पर सोयाबीन तेल बेचने वाले कंपनियों के माध्यम से भी एक लीटर तेल के पाउच को आठ सौ ग्राम की पैकिंग में पहुंचने का काम किया है।

आश्चर्य की बात तो यह है कि एक लीटर का मूल्य बराबर उपभोक्ताओं से लेने का काम किया जा रहा है लेकिन उन्हें एक लीटर के स्थान पर केवल 800 ग्राम खाद्य सामग्री तेल मिल रही है। इसकी वजह से तेल का उपयोग करने वाले उपभोक्ता अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। इससे भी आश्चर्य की बात तो यह है कि खाद्य विभाग भी इन कंपनी की ओर ध्यान देने को तैयार नहीं है,एक लीटर तेल का बाजार मूल्य 130 से 140 रुपए है लेकिन 800 ग्राम तेल संबंधित कंपनियों 130 से 140 रुपए के मुल्य पर बेचने का काम कर रही है। जबकि खाद्य विभाग और संबंधित कंपनियों को यह ध्यान देना चाहिए की एक लीटर और 800 ग्राम का मूल्य अलग-अलग होता है और उपभोक्ताओं से अलग-अलग लेना चाहिए लेकिन खुले तेल पर प्रतिबंध लगने के कारण उपभोक्ता के पास अब केवल ठगे जाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प दिखाई नहीं दे रहा है। 500 ग्राम पैकिंग के स्थान पर 390 ग्राम की पैकिंग देने का काम तेलों बेचने वाले लोग कर रहे हैं।तेल का मूल्य कंपनियों के माध्यम से यथावत रखने का काम किया गया है लेकिन क्वांटिटी लगातार गिरते चली आ रही है कांग्रेस के शासनकाल में जो तेल 60 रुपए लीटर बिक करता था वह अब 120 से 140 रुपए लीटर हो गया है कांग्रेस के शासनकाल में सरसों का तेल 80 रुपए से ऊपर नहीं जा पाया लेकिन वर्तमान समय में 215 रुपए के आंकड़े को छूता दिखाई दे रहा है अगर तेलों की बात करें तो पिछले 8 साल से मध्यप्रदेश में सोयाबीन की फसले बेहतर तरीके से उत्पन्न नहीं हो पाई है लेकिन मध्यप्रदेश में सोयाबीन का तेल बेहतर तरीके से कम क्वांटिटी में अधिक मूल्य पर बेचने का गोरख धंधा बाद दस्तूर जारी है। लेकिन इस तरफ कोई भी देखने को तैयार नहीं है यही वजह है कि गरीब और मध्यवर्गी परिवार का व्यक्ति लगातार कर्ज बोझ और बेरोजगारी की वजह से दफ्तर ही चला जा रहा है। इस महंगाई के बाद में कब मुक्ति मिलेगी या कुछ कहपना स्पष्ट नहीं हो पा रहा है।

धन्यवाद दैनिक कारखाने का सफर

समाचार प्रकाशित होते ही अरविंदो कंपनी ने 12 सुरक्षा प्रहरिओ को 6 माह का वेतन दिया

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

12 सुरक्षा प्रहरीओ को 6 माह से नहीं दिया अरविंदो कंपनी ने वेतन

वेस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड पाथाखेड़ा में अनुबंध के रूप में काम करने वाली अरविंदो कंपनी 6 माह से सुरक्षा प्रहरीओ को वेतन का भुगतान नहीं कर रही थी 25 अक्टूबर को सफर के कारखाने में 12 सुरक्षा प्रहरी को 6 माह से नहीं दिया अरविंदो कंपनी ने वेतन शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया था समाचार प्रकाशित होने के तीसरे दिन 12 सुरक्षा प्रहरी और एक सुपरवाइजर को अरविंदो कंपनी के माध्यम से 6 माह का वेतन का भुगतान कर दिया गया है। अब सवाल सबसे बड़ा यह उठता है कि जब सुरक्षा प्रहरीओ के माध्यम से निष्ठा और ईमानदारी के साथ 12 घंटे नौकरी कर रहे हैं फिर उन्हें समय पर वेतन का भुगतान क्यों नहीं किया जा रहा है। इससे भी आश्चर्य की बात तो यह है कि अरविंदो कंपनी के पास काम करने वाले कर्मचारियों को नियुक्तम वेतन 30 हजार रुपए देना है कंपनी के माध्यम से संबंधित कर्मचारियों के खाते में 30 हजार की राशि डालने के बाद 12 हजार की राशि देकर कर्मचारियों से बाकी की रकम वापस ले ली जा रही है। जिसकी शिकायत भी कई बार करने के बाद स्थानीय श्रमिक संगठन और वेस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के जिम्मेदार अधिकारियों ने इस और ध्यान नहीं दिया है। आश्चर्य की बात यह है कि भूमिगत खदान में काम करने वाले ठेका मजदूरों की श्रम आयुक्त शुद्ध लेने को तैयार नहीं है यही वजह है कि भूमिगत खदान में खून पसीना बहाकर जान जोखिम में डालकर काम करने वाले ठेका मजदूरों को वर्तमान समय में भी 300 से 400 रुपए प्रतिदिन का वेतन दिया जा रहा है जबकि उच्च वेतन मान के हिसाब से इन ठेका मजदूरों को 1148 का वेतन प्रतिदिन का दर्शाया जा रहा है। इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वेस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड पाथाखेड़ा की भूमिगत खदानों में काम करने वाले ठेका मजदूर और सुरक्षा परियों की क्या स्थिति होगी। खैर मामला जो भी हो लेकिन दैनिक कारखाने के सफर के माध्यम से समाचार प्रकाशित करने के बाद 6 माह का वेतन सुरक्षा प्रहरीओ को मिलने के बाद उन्होंने अखबार के प्रति धन्यवाद और सहानुभूति व्यक्त करने का काम किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949